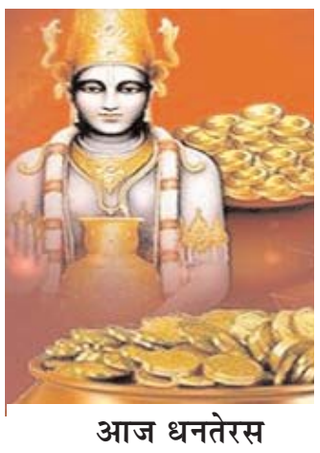

आज धनतेरस

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-21 अंक-227 | सीहोर,मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा, महंगाई भत्ता बढ़ा

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली के मौके पर बड़ा उपहार दिया है। उनका चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा दिया गया है। अब राज्य के कर्मचारियों को 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए बताया कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जनवरी 2024 से मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि राज्य के कर्मचारियों को वर्तमान में 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा था। पूर्व में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में हुई बढ़ोतरी की राशि का एरियर के तौर पर भुगतान किया गया था। अब सभी शासकीय कर्मचारियों को 1 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कर्मचारियों के लिए यह दोहरी खुशी का समय है, क्योंकि दीपावली के साथ ही एक नवंबर को राज्य का स्थापना दिवस भी है।ज्ञात हो कि राज्य के कर्मचारी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की लंबे अर्से से मांग करते आ रहे थे। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 53 प्रतिशत कर दिया है। वहीं राज्य के कर्मचारियों को अब तक 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता ही मिल रहा था।

दिल्ली में दीपावली की तैयारी के बीच सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, पुलिस हाई अलर्ट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दीपावली नजदीक आने के साथ ही दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। हाल ही में प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है। राजधानी के बाजारों में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर मार्केट, जो कि शहर का एक प्रमुख और पुराना बाजार है, यहां सुरक्षा उपायों को अत्यधिक सख्त किया गया है। इस मार्केट में रोजाना हजारों की संख्या में लोग खरीदारी करने आते हैं, और ऐसे में पुलिस की सजगता आवश्यक हो गई है।मार्केट के मेन गेट पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए मचान बनाया गया है, जहां हथियारबंद जवान तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों की मदद से बाजार की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। एंट्री गेट पर मेटल डिटेक्टर भी लगाए गए हैं, जिससे संभावित खतरों को कम किया जा सके।

नई दिल्ली के सिविक सेंटर में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन की बैठक के दौरान भाजपा पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन किया।

अयोध्या आ रही फ्लाइट में बम की सूचना, लखनऊ में मैरियट समेत 10 बड़े होटलों को उड़ाने की धमकी, अलर्ट जारी

पटना (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या से बड़ी खबर सामने आई है। यहां आकासा एयरलाइंस में बम होने की धमकी मिली है। जिसके बाद प्रशासन हाई अलर्ट पर है। इसी के साथ लखनऊ में कई होटलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है जिसमें धमकी देने वाले ने 55 हजार डॉलर (46,25,623 रुपये) की मांग की है। ये धमकी होटल फॉर्च्यून, होटल लेमन ट्री और होटल मैरियट समेत 10 बड़े होटलों को मिली है।जिस फ्लाइट में बम की धमकी मिली है, वह बेंगलुरु से अयोध्या आ रही है। यह कुछ ही देर में लैंड करेगी। यहां एयरपोर्ट को अलर्ट किया गया है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से सीआईएसएफ जवानों समेत पूरा स्टाफ पूरी तरह अलर्ट है। लैंड करने के बाद यात्रियों को सकुशल बाहर निकालने के साथ ही जांच की जाएगी।

शहर के कुल 10 होटलों को ये धमकीभरा मेल आया है। इनमें होटल मैरियट, सराका होटल, पिकैडिली होटल, कम्फर्ट होटल विस्टा, फॉर्च्यून होटल, लेमन ट्री होटल, क्लार्क अवध होटल, होटल कासा, दयाल गेटवे होटल और होटल सिलवेट का नाम शामिल है।

अखनूर में आतंकियों ने सेना के काफिले पर घात लगाकर किया हमला, सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा; सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू(ए)। जम्मू कश्मीर में आए दिन आतंकी घटनाएं हो रहीं हैं। आतंकी कभी सेना को निशाना बना रहे हैं तो कभी मजदूरों पर गोलियां बरसा रहे हैं। सोमवार को भी आर्मी एंबुलेंस पर तीन आतंकियों ने फायरिंग कर दी। अखनूर में हुई इस घटना के आरोपी वहां से भाग गए। सुरक्षाबलों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल उन्हे घेर लिया और मुठभड़े शुरु हो गई। अखनूर में आतंकी हमले के बाद एनकाउंटर शुरू हो गया है, जो खबर लिखे जाने तक जारी रहा, सेना के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह 7:26 मिनट पर लाइन ऑफ कंट्रोल के पास आतंकवादियों ने भट्टल इलाके में आर्मी एंबुलेंस पर करीब एक दर्जन गोलियां दागीं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि केरी के बट्टल इलाके में असन मंदिर के पास ग्रामीणों ने भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना दी थी।

पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली जान से मारने की धमकी, केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने की मांग

पटना, (आरएनएस)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिली है। इसके बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा घेरा बढ़ाने की मांग की है। पप्पू यादव ने इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर अपने लिए वाई श्रेणी की सुरक्षा बढ़ाकर जेड श्रेणी करने की मांग की है। पूर्णिया के सांसद ने इसकी शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी की है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं अपने जीवनकाल में एक बार बिहार विधान सदस्य तथा 6 बार संसद सदस्य (लोकसभा) के रूप में निर्वाचित हुआ हूं। इस दौरान मुझ पर तथा मेरे परिवार के सदस्यों पर हमला हुआ है। कई बार नेपाल के माओवादी संगठन सहित कई जातिवादी अपराधियों ने जानलेवा हमला किया है। मैं ऊपर वाले के कृपा से बचता रहा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

बीजेपी ने जारी की तीसरी लिस्ट, अब तक उतारे सबसे ज्यादा 146 उम्मीदवार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। तीसरी लिस्ट में कुल 25 उम्मीदवारों को जगह दी गई है। इसमें नागपुर-पश्चिम से सुधाकर कोहले और नागपुर-उत्तर से मिलिंद पांडुरंग माने को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अभी तक कुल 146 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को जारी की थी। इस लिस्ट में 99 उम्मीदवारों को जगह दी गई थी।

पहली लिस्ट में डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले समेत कई दिग्गजों के नाम थे। इसके बाद भाजपा ने दूसरी लिस्ट 27 अक्टूबर को जारी की थी। इस लिस्ट में 22 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक चरण में ही मतदान होने हैं, जबकि 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा की जाएगी।

लाइव टेलीकास्ट के जरिए पूरी दुनिया देखेगी अयोध्या की भव्यता

अयोध्या, (आरएनएस)। आठवें दीपोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राम की पैड़ी पर दीप बिछाने का काम तकरीबन पूरा किया जा चुका है। अब अयोध्या सहित पूरी दुनिया को इंतजार है तो सिर्फ 30 अक्टूबर की शाम का। उस दिन सबके आराध्य भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक और कीर्तिमान रचने जा रही है। इस अद्भुत और अलौकिक पल के साक्षी पूरी दुनिया में बैठे लोग भी होंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सूचना विभाग द्वारा इस पूरे महा आयोजन के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई है। नगर के कोने-कोने में होने वाले दीपोत्सव की आभा दिखाने के लिए एलईडी वॉल और एलईडी वैन लगवाई जा रही है। इसके अलावा मीडिया को कवरेज के लिए सेंटर की स्थापना करा दी गई है।मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इस बार दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। शहर के मार्गों को फूलों की लड़ियों और आकर्षक लाइट से सजाया जा रहा है। दीपोत्सव के दिन राम की पैड़ी पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को दूरदर्शन व सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा। नगर के सभी लोग इस भव्य आयोजन का, जो जहां रहे वहीं से आनंद ले सकें, इसके लिए एलईडी स्क्रीन्स की व्यवस्था कराई गई है।

गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति के चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा : राहुल गांधी

नाई की दुकान का सामान खरीदते नजर आए नेता प्रतिपक्ष, अजीत ने जताया आभार

नई दिल्ली,(ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनका भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि वह उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाएंगे। उन्होंने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर एक वीडियो साझा किया जिसमें वह नाई की दुकान के लिए जरुरी सामान खरीदते नजर आ रहे हैं जिसके साथ राहुल गांधी ने दिल्ली के उत्तम नगर स्थित उसकी दुकान पर बातचीत की थी।राहुल ने उन सभी वस्तुओं की व्यवस्था कराई जिसकी जरूरत नाई का काम करने वाले अजीत को थी। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि मेरा भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि मैं उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा। वीडियो में अजीत ने राहुल गांधी को उसकी दुकान के लिए सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया है। राहुल ने शुक्रवार को कहा था कि घटती आय और बढ़ती महंगाई के कारण मेहनतकश गरीब लोगों के सपने छिन गए हैं और उन्हें नई योजनाओं की जरूरत है, जिससे वे अपनी बचत घर ले जा सकें।

राहुल गांधी ने उत्तम नगर की प्रजापत कॉलोनी में एक नाई की दुकान पर जाने का अपना एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया था। क्लिप में वह दाढ़ी बनवाते समय नाइयों की समस्याओं के बारे में पूछते नजर आ रहे थे।

तोड़ो-फोड़ो और राजनीति करो की भूमिका निभा रही भाजपा : संजय राउत

मुंबई,(आरएनएस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद एवं पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने आरोप लगाया कि भाजपाविभिन्न दलों को तोड़कर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने कहा पार्टी तोड़ो फोड़ो राजनीति कर रही है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला। राउत के मुताबिक देश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। सांसद ने कहा, हाल ही में जम्मू-कश्मीर में हमला हुआ, जिसमें हमारे चार जवान शहीद हो गए हैं, इसके अलावा चार मजदूर मारे गए थे। पूरे देश में ऐसा माहौल है, लेकिन हमारे गृहमंत्री अमित शाह कभी जम्मू-कश्मीर और मणिपुर पर बात नहीं करते हैं, वो सिर्फ राजनीति पर बात करते हैं।

धनतेरस से एकादशी तक छोटे व्यापारियों एवं हाथ ठेला वालों से बाजार शुल्क न लिया जाये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दीपावली पर स्थानीय विक्रेताओं से सामग्री खरीदी को प्रोत्साहित करें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन से पहले किया प्रदेशवासियों को संबोधित

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में वोकल फॉर लोकल को बढावा देने के लिये दीपावली पर्व पर स्थानीय विक्रेताओं से सामग्री की खरीदी को प्रोत्साहित किया जाये। धनतेरस से एकादशी तक सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यापारियों एवं हाथ ठेला वालों से बाजार शुल्क न लिया जाये। सभी नगरीय निकाय स्थानीय स्तर पर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने विशेष अभियान चलायें। साथ ही प्रदेश में रोशनी के पर्व दीपावली पर विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंत्रालय में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के पहले प्रदेशवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीपावली और मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी।

29 अक्टूबर को होगी रन फॉर यूनिटी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ तात्याटोपे स्टेडियम से किया जायेगा। साथ ही राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टर्स को अपने जिले में भी इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आयोजित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक नवंबर को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर सभी जिलों में गरिमापूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया जाये। इसी क्रम में 2 नवंबर को रवीन्द्र भवन भोपाल में गोवर्धन पूजा का राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम से स्थानीय स्तर पर सभी जन-प्रतिनिधि जुड सकें, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जिला एवं विधानसभा स्तर पर गौशालाओं में गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम किये जायें। साथ ही पंचगव्य उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 25 अक्टूबर से सोयाबीन का समर्थन मूल्य पर उपार्जन शुरू हो चुका है। धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से प्रारंभ होगा। उपार्जन के दौरान किसानों की सुविधाओं के लिये सभी आवश्यक उपाय किये जायें। सभी जिला कलेक्टर अपने जिले में खाद वितरण व्यवस्था की निगरानी करें।

राम मंदिर में अचानक घुसकर नमाज पढ़ने लगे तीन मुस्लिम भाई, पुजारी रह गए दंग

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां राम मंदिर में तीन मुस्लिम भाई अचानक आकर नमाज पढ़ने लगे। घटना सलसलाई थाना क्षेत्र के किलोदा गांव में स्थित राम मंदिर की है। मंदिर के पुजारी ने सलसलाई थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई और आरोप लगाते हुए कहा कि मुस्लिम समाज के तीनों भाई जबरदस्ती मंदिर में घुस आए और नमाज पढ़ने लगे।जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि तीनों मंदिर के पास स्थित बैंक में किसी काम से आए थे। वह बैंक से निकले तो नमाज का समय हो गया था जिसकी वजह से उन्होंने वहीं नमाज अदा की। उन पर आरोप है कि मंदिर के पुजारी ने उन्हें रोका, लेकिन वे नहीं माने। लोगों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद सलसलाई थाना पुलिस ने पुजारी की शिकायत पर तीनों भाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। तीनों भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था और मुचल्का पर तीनों रिहा किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामला सात साल से कम की सजा का है। इसीलिए जिस दिन चालान पेश होगा उस दिन तीनों को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। जमानत या ट्रायल का फैसला कोर्ट में ही होगा।शाजापुर के गुलाना अंतर्गत राम मंदिर परिसर में मुश्लिम समाज के तीन भाइयों ने नमाज पढ़ी है। पुजारी ओमप्रकाश शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि शनिवार शाम गांव के 70 साल के बाबू खां, 65 साल के रुस्तम खां और 85 साल के अकबर खां आए। तीनों भाइयों ने मंदिर के दरवाजे पर रखे मटके के पानी से हाथ-पैर धोए और परिसर में बैठकर नमाज पढ़ने लगे। मंदिर के पुजारी ने उन्हें रोका लेकिन वे नहीं माने।

बिहार के बेतिया में देवर ने भाभी की तलवार से काटकर की हत्या, थाने पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

बेतिया, (आरएनएस)। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र में देवर ने अपनी चचेरी भाभी की तलवार से काटकर हत्या कर दी और उसके बाद तलवार फेंक कर खुद थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, पूर्वी तुरहापट्टी गांव निवासी मुनीर अहमद ने पड़ोस में रहने वाली अपनी चचेरी भाभी और आलमगीर अंसारी की पत्नी सल्होदा खातून (45) की तलवार से काटकर हत्या कर दी।

इसके बाद उसने कुमारबाग थाना जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद इसकी सूचना सिरसिया थाना को दी गई।

वायनाड की जनता ने संविधान को मजबूत करने का काम किया : प्रियंका गांधी

वायनाड, (आरएनएस)। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी आज वायनाड में होंगी। वो उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचेंगी। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में वायनाड की जनता को खूब सराहा। कहा कि यहां के लोगों ने लोकतंत्र की भावना को बखूबी समझा है और उसे मजबूत भी किया है। प्रियंका गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वायनाड की जनता पहले भी सत्य, न्याय और लोकतंत्र के साथ खड़ी हुई है और संविधान की भावना को मजबूत करने का काम किया है। वायनाड के लोग आगे भी संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करते हुए विकास और प्रगति का नया अध्याय लिखेंगे। जनता का जोश और उत्साह देखने लायक है। इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने बताया कि वो सोमवार को वायनाड की जनता के साथ संवाद करेंगी। दरअसल, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाया है, जो पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के रायबरेली सीट चुनने के बाद खाली हो गई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्णय से धर्मनगरी उज्जैन का वातावरण धर्ममय होगा

-मुख्यमंत्री का अखाड़ा परिषद उज्जैन के संत-जनों ने किया सम्मान

भोपाल (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के धर्मनगरी उज्जैन में साधु संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर इत्यादि को स्थाई आश्रम बनाने की अनुमति दिए जाने के निर्णय से उज्जैन नगरी का वातावरण धर्ममय होगा। यह बात उज्जैन से पधारे अखाड़ा परिषद के संतजनों ने मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सभी संतों ने शॉल और फूलों की बड़ी माला पहनाकर अभिनंदन किया एवं आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सनातन परंपरा का पालन करते हुए संतजनों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जय श्री महाकाल के उद्घोष से सभी का अभिनंदन भी किया। सभी संतों ने आगामी सिंहस्थ की तैयारी अभी से प्रारम्भ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की सराहना की। उज्जैन तीर्थ विकास एवं संतों के प्रति संवेदनशीलता के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को साधुवाद भी दिया। सभी संतों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संतों को उज्जैन में विकास कार्यों की जानकारी दी और उनके सुझाव प्राप्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिप्रा नदी के जल संरक्षण, उज्जैन में स्वच्छता, अखाड़ों के निर्माण की योजना, जल निकासी, आगामी कुंभ की तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संतजनों को निवास में भोजन कराया तथा स्वयं भी संतों के साथ भोजन किया। मुख्यमंत्री निवास पर अखाड़ा परिषद उज्जैन के अध्यक्ष महंत श्री रामेश्वरदास जी महाराज, उपाध्यक्ष महंत श्री आनन्दपुरी जी महाराज जूना अखाड़ा, उपाध्यक्ष महंत श्री सत्यानन्द जी महाराज बडा अखाड़ा, महामंत्री महंत श्री रामेश्वरगिरी जी महाराज जूना अखाड़ा, महंत श्री भगवानदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महंत श्री श्यामागिरी जी महाराज, महंत श्री प्रेमगिरी जी महाराज, महंत श्री राजीव दास जी महाराज, महंत श्री रामचन्द्र दास जी महाराज दिगम्बर अखाड़ा, महंत श्री सेवागिरी जी महाराज अव्हान अखाड़ा, महंत श्री रामेश्वर गिरी जी महाराज अव्हान अखाड़ा, महंत श्री महेशदास जी महाराज, महंत श्री दिग्विजय दास जी महाराज, महंत श्री समुन्दर गिरी जी महाराज आनंद अखाड़ा, महंत श्री सुरेशानंद गिरी जी महाराज, महंत श्री कृष्णानन्द जी महाराज, महंत श्री रमेशानंद ब्रहमचारी जी, महंत श्री मंगलदास जी महाराज नया अखाड़ा, महंत श्री राजेन्द्र गिरी जी महाराज अव्हान अखाड़ा, महंत श्री विशालदास जी महाराज, महंत श्री राघवेन्द्रदास महाराज और महंत श्री देवगिरी जी महाराज सहित अन्य संतजन उपस्थित रहे।

हरदा में बिजली कंपनी के 15 पोल तोड़ने के आरोप में 3 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

भोपाल (ए)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के हरदा वृत्त के मसनगांव वितरण केन्द्र अंतर्गत गैरकानूनी रूप से बिजली लाइन के 15 पोल तोड़ने पर तीन आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक प्रदीप कुमार डोले के आवेदन पर थाना छिपाबड द्वारा तेजराम विश्नोई, अनिल विश्नोई एवं अमित विश्नोई के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 324 (5), म.प्र. सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 की धारा 3, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 139 एवं 140 के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि कंपनी मसनगांव वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक प्रदीप कुमार डोले ने बताया की मसनगांव केंद्र के 33/11 केवी उप केन्द्र जामली से निकलने वाली नवीन 11 केवी घरेलू लाइन का कार्य किया गया था। जिसमें 27 अक्टूबर 2024 को रात्रि में लगभग 1 बजे सदाशिव पिता कृष्ण बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 8 पोल एवं पवन पिता मुकेश बिश्नोई ग्राम बड़नगर के खेत में 7 पोल, इस तरह से कुल 15 पोल तोड़े गए हैं। इसमें तेजराम पिता जगन्नाथ बिश्नोई निवासी ग्राम बडनगर, अनिल पिता श्रीकृष्ण बिश्नोई निवासी ग्राम हरपालिया तथा अमित पिता अमृतलाल बिश्नोई ग्राम खमलाय एवं उनके साथियों के खिलाफ पोल तोड़ने के आरोप में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है।

एम.पी. ट्रांसको इंदौर में आयोजित हुये सुरक्षा जागरुकता प्रशिक्षण शिविर

भोपाल (ए)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार उद्देश्य से एम.पी. ट्रांसकों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य के साथ ट्रांसमिशन लाइनों एवं एक्स्ट्रा हाईटेंशन सब स्टेशनों में मेंटेनेंस करने मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के ट्रांसमिशन लाइन और एक्स्ट्रा हाईटेंशन सब स्टेशनों के मेंटेनेंस स्टॉफ में सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण शिविरों में ट्रांसमिशन लाइनों और सब स्टेशनों में सुरक्षा के विभिन्न उपायों को ध्यान में रख कर सतर्कतापूर्वक कार्य संपादित करने के लिए ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स के 20 स्टाफ एवं सब स्टेशनों के 40 आउटसोर्स स्टॉफ सहित कुल 71 मेंटेनेंस स्टाफों को प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण विमर्श में दीया भी बनाया।

दीपावली पर्व पर रेहड़ी पटरी पर व्यवसाय करने वालों को बाजारी कर से छूट

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने जारी किये आदेश

भोपाल (ए)। प्रदेश में दीपावली पर्व के अवसर पर रेहड़ी पटरी पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने वाले छोटे व्यवसायियों को स्थानीय सामग्री विक्रय करने पर लगने वाले बाजारी कर और शुल्क से छूट प्रदान की गई है। यह आदेश 29 अक्टूबर से 11 नवम्बर, 2024 (ग्यारस पर्व) तक प्रभावशील रहेगा। यह आदेश स्थानीय कौशल उस पर आधारित स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आज आदेश जारी किया है। बाजारी कर अथवा शुल्क से छूट का फायदा स्थानीय, ग्रामीण कारीगरों, गरीब महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित मिट्टी एवं गोबर के दीपक, दीप-मालाएँ तथा धार्मिक प्रतीकों के विक्रय पर विशेष रूप से दिया जायेगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को विभाग ने दिशा-निर्देश दिये हैं। बाजारों में इस संबंध में लगने वाली दुकानों पर साफ-सफाई और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था किये जाने के लिये स्थानीय निकायों को निर्देशित किया गया है।

प्रदेश के नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र के विकास के लिये 390 योजनाओं को स्वीकृति

अमृत 2.0 में स्वीकृत योजनाओं पर खर्च होंगे 118 करोड़ रुपये

भोपाल (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरों में पार्क और हरित क्षेत्र के विकास के लिये अमृत 2.0 मिशन में 390 योजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं पर 118 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप एवं नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सतत विकास के कार्य किये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त भरत यादव ने बताया कि शहरों में पर्यावरण-संरक्षण के उद्देश्य से अमृत 2.0 मिशन के तहत पार्क और उससे जुड़े सभी कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरे कराये जायेंगे।इन योजनाओं का उद्देश्य शहरी इलाकों में हरित स्थानों का विकास करना, स्थानीय समुदायों को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराना है। इन योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। साथ ही पार्कों में बच्चों के खेलने के स्थान, बुजुर्गों के लिए विश्राम स्थल, वॉकिंग ट्रैक, और योग के लिये क्षेत्र विकसित किये जा रहे हैं। इन क्षेत्रों के विकास में पार्कों में लाइटिंग, जल-संरक्षण, और पौध-रोपण के प्रावधान भी किए जा रहे हैं। इन पार्कों

को ऊर्जा-सक्षम और पर्यावरण अनुकूल भी बनाया जा रहा है। स्वीकृत योजनाओं में से 41 योजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए हरित क्षेत्र के विकास में स्थानीय पौधों एवं छायादार पौध-रोपण पर जोर दिया जा रहा है। चयनित स्थलों पर सामुहिक जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये लोक चित्रकला से पार्कों की दीवारों में चित्र बनाकर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। अमृत 2.0 के माध्यम से विकसित किये जा रहे पार्क में मनोरंजन और स्वास्थ्य सुविधाएं प्राथमिकता के साथ प्रदान की जा रही हैं।

बिजली चोरी के मामले में छः माह का कारावास सहित 1 लाख 7 हजार रुपये जुर्माना

भोपाल (ए)। विदिशा जिले के लटेरी न्यायालय की विशेष न्यायाधीश श्रीमती कविता दीप खरे ने 25 अक्टूबर 2024 को निर्णय पारित कर आरोपी रामगोपाल शर्मा को दोषी मानते हुये छ: माह के कठोर कारावास से दण्डित कर 1 लाख 7 हजार 610 रूपये प्रतिकर (जुर्माना) अधिरोपित किया है। कनिष्ठ अभियंता (जेई) लटेरी नीरज गुप्ता ने बताया कि घटना 28 फरवरी 2020 की है जब विद्युत चेंकिग टीम के जेई जगदीश लोधी, सलीम खॉ एल एम, अरशद खॉ एल एच तथा बब्लू कुशवाह ने विद्युत वितरण केन्द्र लटेरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम मसूडी में अभियुक्त रामगोपाल शर्मा निवासी ग्राम मसूडी के यहाँ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाँच हार्स पॉवर आटा चक्की बिना कनेक्शन लिए एल टी लाइन से सीधा तार डालकर उपयोग करना पाया गया था। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सभी आम लोगों से आग्रह किया गया है।

जलवायु परिवर्तन को रोकने जमीनी स्तर पर व्यवहार में लाना होगा बदलाव

जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास - भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान विषय पर हुई संगोष्ठी

विभिन्न विषयों हुए पैनल डिस्कशन में वक्ताओं ने रखे विचार

भोपाल (ए)। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंचामृत की जो बात कही गई है, उसका पालन सभी को करना चाहिए। भारत हमेशा प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में सामने आया है। विषय-विशेषज्ञों ने इस तरह के विचार जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास - भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान पर हुई संगोष्ठी में इंडियाज पर्सपेक्टिव ऑन क्लाइमेट चेंज और पॉजिटिव एफर्टस् फॉर क्लाइमेट प्रोटेक्शन एट नेशनल एण्ड इंटरनेशनल लेवल्स पर हुए पैनल डिस्कशन में व्यक्त किये।

क्लाइमेट जस्टिस जरूरी

सेवानिवृत्त आईएएस रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कार्बन बाजारों में प्रवेश के लिये ठोस फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। इससे प्राकृतिक खेती और सतत् वन विकास एवं पर्यावरणीय प्रयासों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका में स्थापित करेगा। श्री प्रसाद कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों पर पड़ता है, अतः क्लाइमेट जस्टिस जरूरी है।

बनायें नेचर वॉलेंटियर्स

वरिष्ठ पत्रकार की अभिलाष खांडेकर ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिये नेचर वॉलेंटियर्स बनाने की जरूरत है। पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के व्यवहार में परिवर्तन जरूरी है।

एक भी बूंद पानी का नहीं छोड़ता

आईआईएफएम के प्रोफेसर डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिये भारत सरकार ने बड़ी तेजी से कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं ग्लास में एक भी बूंद पानी की नहीं छोड़ता। श्री दुबे ने कहा कि स्वाइल हेल्थ कार्ड बनाने का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। वनीकरण और हाइड्रोजन फ्यूल के उपयोग को बढ़ावा देना क्लाइमेट चेंज को रोकने में मददगार साबित होंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार विश्वमोहन ने कहा कि सभी को मिलकर समग्र प्रयास करने की जरूरत है। वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्राचीन पर्यावरणीय संरचनाओं पर गहराई से अध्ययन करने की योजना बनाई गई है। इसमें बारिश को प्रभावित करने वाले वायुकणों का अध्ययन, जलवाष्प का विश्लेषण जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

पीएम जन-मन में 118 पीवीटीजी बहुल गांव बन रहे आदर्श ग्राम

छिंदवाड़ा और डिंडोरी जिले के 7-7 गांव बनेंगे आदर्श ग्राम

भोपाल (ए)। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) योजना में प्रदेश में विशेष रूप से कमजोर और पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के समग्र कल्याण के लिये तेजी से काम जारी है। प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातियां पीवीटीजी में आती हैं। पीएम जन-मन में इन 24 जिलों के 118 पीवीटीजी बहुल गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिये चुना गया है। चयनित आदर्श ग्रामों में सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणी के अधोसंरचना विकासमूलक कार्यों सहित सभी प्रकार के कल्याण कार्यक्रमों का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। चुने गये 118 आदर्श ग्रामों में से सिवनी जिले का झिंजरई गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित हो चुका है। यहां सरकार द्वारा सभी योजनाओं को शत-प्रतिशत अमल में लाया गया है। योजना में 23 जिलों के 92 आदर्श ग्रामों में अधोसंरचनात्मक विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। 16 जिलों के 48 आदर्श ग्राम में हितग्राहीमूलक काम पूरे होकर लाभार्थियों को दे दिये गये हैं। सात जिलों के 19 आदर्श ग्राम में अधोसंरचनात्मक विकास एवं हितग्राहीमूलक दोनों कार्य पूरे कर लिये गये हैं। पीएम जन-मन योजना में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा कुल 118 पीवीटीजी बहुल गांव को मॉडल विलेज बनाकर इनमें सभी प्रकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन कर यहां आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। योजना में छिंदवाड़ा एवं डिंडोरी जिले में 7-7 एवं कटनी में 6 पीवीटीजी बहुल गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किये जा रहे हैं। अनूपपुर, अशोकनगर, उमरिया, गुना, ग्वालियर, जबलपुर, दतिया, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, मुरैना, रायसेन, विदिशा, शहडोल, शिवपुरी, श्योपुर, सिंगरौली, सिवनी एवं सीधी जिले में 5-5 पीवीटीजी बहुल गांव, आदर्श ग्राम के रूप में तैयार किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मैहर जिले के 2 एवं भिण्ड जिले के एक गांव को भी आदर्श ग्राम बनाया जा रहा है।

विविध-समाचार

आईएसबीटी पर खड़ी बस की डिक्की में रखा 1600 किलो मावा जप्त

ग्वालियर से भोपाल आई थी बस

भोपाल(ए)। त्यौहारी सीजन में राजधानी खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की टीम बाहर से आने वाले मिलावटी मावे सहित अन्य चीजो पर लगातार कार्यवाही कर रही है। इसी कड़ी में टीम ने सोमवार सुबह बसों की चेकिंग के दौरान आईएसबीटी पर खड़ी एक बस की डिक्की में रखा 1600 किलो मावा जप्त किया है। अमानक होने के संदेह के चलते मावे के सैंपल लेकर उन्हें लैब में जांच के लिए भेजा गया हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियो ने बताया कि टीम ने सर्चिंग के दौरान अईएसबीटी पर खड़ी बस नंबर एमपी-07 पी 2123 की डिक्की में रखी मावे की 40 डलिया बरामद की है। यह बस ग्वालियर से भोपाल आई थी। गौरतलब हे कि दीपावली पर भोपाल में अमानक या खराब मावे की सप्लाई होने के हर साल कई प्रकरण सामने आते हैं। इस पर अकुंश लगाने के लिये विभाग पूर्व से ही मुस्तैद रहता है। इस बार भी की जा रही चेकिंग के दौरान सोमवार सुबह टीम बसों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान लाखो का माल रखा मिला। विभाग की कार्यवाही के दौरान मौके पर मावे का कोई मालिक नहीं मिला है। अधिकारियों का कहना है, कि यह मावा ग्वालियर से किसने और किसके लिये लोड कराया था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन के शुरू होते ही भोपाल में मावा और पनीर की खपत आम दिनो की अपेक्षा कई गुना बढ़ जाती है। और से ग्वालियर, भिंड, मुरैना समेत कई जिलों से मावा भोपाल में खपाने के लिये भेजा जा है। चार दिन पहले ही 24 अक्टूबर को बजरिया पुलिस ने आगरा से भोपाल आया 9 क्विंटल मावा जब्त किया था।

वाहन शोरूम मालिक पर चाकू से हमला कर 3 लाख की लूट

भोपाल(ए)। राजधानी के गांधीनगर थाना इलाके में बीती देर रात नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने वाहन शोरूम के संचालक पर चाकू से हमला कर उसके पास रखे बैग को लूट कर भाग गये। फरियादी शो में आया दिनभर का कलेक्शन लेकर घर लेकर जा रहा था। लूटे गये बैग में तीन लाख से अधिक की रकम थी। थाना पुलिस के अनुसार हिमांशु तुलसानी (37) विजय नगर लालघाटी में रहते हैं। निशातपुरा में अलग-अलग कंपनियों की बाइक के उनके दो शोरूम हैं। बीती रात रोजाना की तरह वे शोरूम बंद करने के बाद रात करीब साढ़े नौ बजे दिन भर के कलेक्शन की रकम 3 लाख 1 हजार रुपये बैग में रखकर घर के लिये निकले थे। करोंद से आरजीपीवी, जेल रोड व आशारात तिराहे से होते हुए घर जा रहे थे। जैसे ही वह केन्द्रीय जेल रोड पर पहुंचे तभी उनके पीछे दो बाइक पर आए चार बदमाशों ने उनके दो पहिया वाहन को रोक लिया। चारों बदमाश अपने चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए थे। उनका वाहन रुकते ही बदमाशों ने उनके पास रखा बैग छीनने का प्रयास किया। हिमांशु ने जब उनका विरोध किया तो तब एक बदमाश ने अपने पास रखा चाकू निकालते हुए उन्हें धमकी देने लगा। उसकी धमकी को अनदेखा करते हुए कारोबारी ने बैग नहीं दिया और लगातार बैग बचाने का संघर्ष करते रहे तब बदमाश ने उनके हाथ पर चाकू से वार कर दिया। चाकू लगने पर फरियादी के हाथ से बैग छूट गया जिसे अपने कब्जे में लेकर बदमाश तेज स्पीड से फरार गए। घटना की सूचना फरियदी ने फौरन ही पूलिस को दी। लूट की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस टीम सहित आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। मामला कायम कर पुलिस टीम आरोपियों का सुराग जुटाने के लिये फरार होने वाले रास्तो पर लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस टीम सायबर सेल की मदद ले रही है। अधिकारियो का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान जुटाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

जीतू पटवारी की कार्यकारिणी की हो रही प्रशंसा, चयन में दिखा लंबी पारी का इरादा

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी आखिर घोषित हो ही गई। तरह तरह की अटकलों और कियासों के बाद जो लिस्ट सामने आई, उसने सब का मुँह बंद कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यकारिणी में युवाओं को शामिल कर अग्रेसन, अनुभवी नेताओं को शामिल कर विजन, हर क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देकर संतुलन और पीढ़ी परिवर्तन को ध्यान में रखकर भविष्य के नेतृत्व के विकल्पों की भी झलक दिखाई है। कहा जा रहा है कि जीतू पटवारी की कार्यकारिणी अब तक की मध्यप्रदेश कांग्रेस की सबसे छोटी कार्यकारिणी है। कार्यकारिणी में पदों की बंदरबाँट की जगह सख्त चयन मापदंड की कोशिश स्पष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब कार्यकारिणी घोषित होने के बाद मीडिया में भी इसकी खुलकर तारीफ़ही हो रही है। वरिष्ठों को जगह देने के साथ साथ अनुभव को वरीयता देने की पटवारी की रणनीति काम कर गई है। विरोधी भी ख़ामोश हैं, क्योंकि वृहद् स्वरूप में सभी को संतुलित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश में कोई कमी नहीं नज़र आ रही है। जीतू पटवारी ने बतौर प्रदेश अध्यक्ष अपनी टीम निर्विवाद घोषित कर एक बड़ा पड़ाव पार कर लिया है।

संबल के हितग्राही छात्रों की फीस लौटाये माध्यमिक शिक्षा मंडल : कांग्रेस

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संबल योजना में परीक्षा फीस से मुक्त 10 वीं एवं 12वीं के छात्रों से वसूली फीस को दंडनीय लापरवाही बताया है। गुप्ता ने कहा कि जुमले की फैक्टरी चलाने वाली सरकार एक तरफलुभावनी योजनाओं की घोषणा कर अपनी पीठ ठोकती है और दूसरी तरफउसका स्वेच्छाचारी प्रशासन लगभग ढाई लाख बच्चों से बसूली कर लेता है। जिसकी शिकायत विभिन्न स्कूलों द्वारा की गई है। नियम कायदों को धता बताती इस सरकार में अधिकारी ही राजा बन गये हैं । गरीब अपने हक से वंचित किया जा रहा है। गुप्ता ने सरकार से मांग की है कि तत्काल माध्यमिक शिक्षा मंडल को करोड़ों में बसूली गई फीस छात्रों को लौटाने के लिये निर्देशित किया जाये ताकि जनता का सरकारी योजनाओं पर भरोसा कायम रहे।

सर्प के काटने से मृत्यु होने पर चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई

झाबुआ (ए)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर मुकेश सोनी के आदेशानुसार मृतक नरु पिता रवजी भाबोर निवासी ग्राम गुवाली तहसील मेघनगर की 29 अगस्त 2024 को सर्प के काटने के कारण मृत्यु हो जाने पर मृतक के वैध वारिसान उसके पुत्र रमेश पिता नरु भाबोर निवासी ग्राम गुवाली तहसील मेघनगर की राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) की कण्डिका पाँच बिंदु क्रमांक 2-क के प्रावधानों के तहत् 4,00,000 (चार लाख रुपए) की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

माटी कला शिल्पियों द्वारा दीपावली पर विक्रय के लिए तैयार उत्पादों पर कर नहीं वसूलने के निर्देश

जबलपुर (ए)। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने माटी कला शिल्पियों द्वारा परंपरागत रूप से बनाए जाने वाले दीपक, खिलौने, सजावटी समान एवं मिट्टी के अन्य उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों में इन्हें उचित स्थान उपलब्ध कराने एवं किसी भी प्रकार की कर वसूली न करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इस बारे में जारी आदेश में कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा है कि माटी कला शिल्पियों द्वारा मिट्टी के दीपक एवं अन्य उत्पाद बनाये जाते हैं और इन्हें विभिन्न त्यौहारों के अवसरों पर बाजारों में विक्रय के लिए लाया जाता है। मिट्टी शिल्पकला इन कलाकारों के जीवन यापन का मुख्य आधार है।

ऊर्जा दक्षता वाले उपकरण बिजली कर्मचारियों को रियायत दर पर मिलेंगे

इन्दौर (ए)। ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों को भी ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (EESL) की योजना के अनुसार 5 स्टॉर श्रेणी के विद्युत उपकरण ऑन लाइन प्रक्रिया के अनुसार उपलब्ध कराए जाएंगे। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए शासन ने विशेष सरकारी कर्मचारी उपकरण योजना लागू की है। इसका उद्देश्य शासकीय कार्मिकों के बीच ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना और जागरुकता लाना, ऊर्जा दक्षता वाले विद्युत उपकरण जैसे एलईडी, फ्रीज , पंखे, एयर कंडीशनर, इंडक्शन कुक स्टोव इत्यादि के उपयोग कर बिजली की बचत करने का भाव जगाना है। इस योजना के माध्यम से ऊर्जा कुशल उपकरण EESLmart-in पर विशेष रूप से रियायती दरों पर उपलब्ध होगा। इस पर GOV/NIC या ऊर्जा विभाग, विद्युत वितरण कंपनी के विशिष्ट ईमेल आईडी से लॉग इन कर उपकरण अपने पते पर शिपिंग (घर पहुंच आपूर्ति) करा पाएंगे। यहाँ पर उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी रूप से बेहतर बीईई 5 स्टार ऊर्जा की बचत करने वाले घरेलू उपकरण मिल सकेंगे। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कार्मिकों से उक्त अवसर का लाभ लेने का आह्वान किया हैं। मोबाइल, टेबलेट, कम्प्यूटर ब्राउजर पर EESLmart-in पर जाए। इसके बाद उपकरणों के लिस्ट मिलेगी, शासकीय ईमेल आईड़ी से लॉगिन करने पर रियायत का उल्लेख मिलेगा। इसके बाद नाम, पता लिखकर ऑर्डर कन्फर्म कर रियायती दर पर विक्रय का विकल्प चुना जा सकेगा।

अन्नदाताओं की खुशहाली और बेहतरी के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी 29 अक्टूबर को प्रदेश के किसानों के खातों में करेंगे सहायता राशि अंतरित

इन्दौर (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के अन्नदाताओं की खुशहाली और बेहतरी के लिये नित नये आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्नदाताओं के प्रति असीम स्नेह सरकार की योजनाओं में भी निरंतर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (वर्ष 2024-25 की द्वितीय किश्त अंतरित करेंगे। प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को 1624 करोड़ रुपये की सहायता राशि का अंतरण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ राज्य सरकार भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों को लाभान्वित कर रही है। इन दोनों योजनाओं में

किसानों को प्रतिवर्ष 12000 रुपये का लाभ प्रदान किया जा रहा है। अब तक म.प्र. के किसानों के बैंक खातों में 41 हजार 200 करोड़ रुपये की राशि अतिरिक्त दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिये वर्ष 2024-25 बजट में 66 हजार 605 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिये शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को जारी रखा गया है। इसके लिये 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे लगभग 32 लाख से अधिक कृषक लाभान्वित होंगे। वर्ष 2024-25 में 23 हजार करोड़ रुपये के फसल ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल बीमा योजना के इतिहास में पहली बार प्रदेश में किसानों के लिये ऋण की अदायगी की अंतिम तिथि (28 मार्च) से पहले सरकार ने दावों का भुगतान किया और किसानों को अनावश्यक ब्याज भरने के दण्ड से बचाया।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बॉर्डर पर देश की रक्षा कर रहे सैनिकों के लिए भेजे मिठाई व नमकीन के गिफ्ट पैक्स

इंदौर (आरएनएस)। सरहद पर देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों के लिए माननीय नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दीप पर्व दिपावली के अवसर पर उपहार स्वरूप इंदौरी नमकीन और मिठाई के पैकेट्स भेजे। सैनिकों के लिए पैकेट्स की रवानगी पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के द्वारा की गई।इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए आकाशजी विजयवर्गीय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हर साल दिपावली सैनिकों के साथ मनाते है, इसलिए उनसे प्रेरणा लेते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सैनिकों को इंदौर की ओर से यह उपहार देने की पहल की है।

जिले में दो खरीदी केन्द्रों पर होगा किसानों से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का उपार्जन

जबलपुर (ए)। किसानों से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन के उपार्जन हेतु जिले में दो खरीदी केन्द्र बनाये गये हैं। इन खरीदी केन्द्रों पर 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक सोयाबीन का उपार्जन किया जायेगा। किसानों से सोयाबीन के उपार्जन के लिए बनाये गये गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों में पाटन तहसील के ग्राम सिमरा स्थित गनपति एग्रो एवं शहपुरा तहसील के ग्राम कैथरा स्थित काकुल वेयर हाउस शामिल है। इन खरीदी केन्द्रों का निर्धारण सोयाबीन के उपार्जन की अनुमानित मात्रा को देखते हुए जिला उपार्जन समिति द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार किया गया है। जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना द्वारा इस बारे में आदेश भी जारी कर दिये गये हैं। आदेश में पाटन तहसील के सिमरा स्थित गनपति एग्रो में बनाये गये गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्र में सोयाबीन के उपार्जन की जिम्मेदारी वृहताकार सेवा सहकारी संस्था पाटन को दी गई है। इसी प्रकार शहपुरा तहसील के ग्राम कैथरा स्थित काकुल वेयर हाउस में बनाये गये खरीदी केन्द्र में सोयाबीन के उपार्जन का दायित्व वृहताकार सेवा सहकारी संस्था बेलखेड़ा को सौंपा गया है। किसानों से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का उपार्जन दोनों खरीदी केन्द्र पर शनिवार और रविवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण दिन के उजाले में किया जा सके और अंतिम कृषक की तौल शाम 8 बजे तक की जा सके इसके लिये किसानों को तौल पर्ची शाम 6 बजे से जारी की जायेगी।

नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में किसानों को जागरुक करने प्रचार रथ रवाना

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने दिखाई हरी झण्डी

ग्वालियर (ए)। फसल अवशेष (नरवाई) प्रबंधन के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी एवं किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग द्वारा जिले में जागरूकता रथ चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कलेक्ट्रेट से हरी झण्डी दिखाकर इस रथ को ग्रामीण अंचल के लिये रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में जाकर किसानों को नरवाई में आग लगाने से होने वाले नुकसान और इसके प्रबंधन से होने वाले फायदों के बारे में जागरूक करेगा। रथ के माध्यम से किसानों को बताया जायेगा कि नरवाई जलाने से प्रदूषण फैलता है। साथ ही मिट्टी की सेहत भी खराब होती है, जिससे उत्पादन घटता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार अब फसल अवशेष जलाने पर जुर्माने का प्रावधान भी किया गया। रथ के शुभारंभ अवसर पर संभागीय कृषि यंत्री श्री जी सी मर्सकोले, उप संचालक कृषि आर एस शाक्यवार व सहायक कृषि यंत्री त्रिलोकचंद पाटीदार उपस्थित थे। नरवाई जलाने से खेती की मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ कम होने के साथ-साथ लाभकारी सूक्ष्म जीव भी नष्ट हो जाते हैं। किसान भाईयों से अपील की गई है कि वे नरवाई में आग न लगाएँ बल्कि धान की कटाई के बाद सीधे ही हैप्पी सीडर व सुपर सीडर की सहायता से बुवाई कर दें। स्ट्रारीपर का उपयोग कर नरवाई का भूषा भी बनाया जा सकता है।

कलेक्टर द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गयी

-कलेक्टर द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गयी

-खाद वितरण हेतु पारा और राणापुर मे बनाये जायेंगे अतिरिक्त सेण्टर

झाबुआ (ए)। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को प्रात:11 बजे किया गया। सीएम हेल्पलाइन शिकायतो का संतुष्टिपूर्वक एवं समयानुसार निराकरण ना होने पर डी श्रेणी में आने वाले समस्त विभागो के जिलाधिकारियों और ब्लॉक स्तर के अधिकारीयों को नोटिस दिये जाने हेतु निर्देशित किया, 500 दिन से अधिक की शिकायत पर संतुष्टिपूर्वक जवाब ना देने पर प्रकरण से सम्बन्धित तहसीलदार को नोटिस दिये जाने हेतु निर्देशित किया। सीएम हेल्पलाइन एवं समाधान पोर्टल से सम्बन्धित शिकायतो के संतुष्टिपूर्वक निराकरण होने पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी। इन्दौर - दाहोद रेल्वेलाइन से सम्बन्धित भू-अर्जन के सम्बन्ध में प्रस्ताव सम्बंधी कार्यवाही की समीक्षा की गयी। प्रसूति सहायता के लंबित प्रकरणो का भुगतान समयानुसार करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम स्तर जनसुनवाई के सुचारू संचालन किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

दीप उत्सव को लेकर बाजारों में आई रौनक

बुरहानपुर (ए)। दीप उत्सव के चलते बाजार गुलजार है मंगलवार धनतेरस से पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत होगी जो पड़वे पर गोवर्धन पूजा के साथ समाप्त होगी। धनतेरस दीपावली के चलते बाजार में सोना चांदी बर्तन ऑटोमोबाइल के बाजार गुलजार है धनतेरस पर बाजार में धन की वर्षा होगी सोने चांदी बर्तन ऑटोमोबाइल के साथ श्रृंगार कपड़े और रेडीमेड की ग्राहकी भी शबाब पर है, बाजार में ग्राहकी के चलते भीड़ भाड़ और ट्रैफिक जाम की स्थिति के चलते यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था लागू कर बाजार क्षेत्र में छोटे-बड़े वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया है। दीपावली के मद्देनजर बाजार में गेंदे के फूलों की भारी आवक है, यहां इंदौर जलगांव से गेंदे के फूलों की पूर्ति होती है दीपावली में लक्ष्मी पूजा में गेंदे के फूल का बड़ा महत्व है।

व्यापार समाचार

धनतेरस से पहले घट गए सोने-चांदी के भाव

- सोना 78,187 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 96,160 रुपए प्रतिकिलो

नई दिल्ली (ए)। दिवाली और धनतेरस से पहले सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 78,187 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है, जबकि चांदी की कीमत में भी 1.00 फीसदी की गिरावट आई है, ये 96,160 रुपए प्रतिकिलो ग्राम पर कारोबार कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,150 रुपए लुढ़क कर 80,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। चांदी भी बिकवाली दबाव में रही और 2,000 रुपए फिसलकर एक लाख रुपए से नीचे 99,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले बृहस्पतिवार को चांदी 1.01 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर (एचयूआईडी) कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की

- ब्लैकरॉक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.4 अरब डॉलर आईपीओ में निवेश करेंगे

नई दिल्ली (ए)। देश की प्रमुख फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की है, इसके बाद अब 11.3 अरब डॉलर आंकी गई है। यह मूल्यांकन स्विगी के शुरुआती लक्ष्य 15 अरब डॉलर से लगभग 25 प्रतिशत कम है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बाजार में अस्थिरता और हाल ही में ह्युंडे इंडिया के आईपीओ की कमजोर लिस्टिंग के चलते निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। ब्लैकरॉक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (सीपीपीआईबी) 1.4 अरब डॉलर के इस आईपीओ में निवेश करेंगे, जो इस साल देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, स्विगी ने यह फैसला इसलिए लिया ताकि निवेशकों की रुचि को बनाए रखते हुए कमजोर प्रतिक्रिया से बचा जा सके। स्विगी का यह आईपीओ 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की वैश्विक अनिश्चितता के बीच आ रहा है, जिससे बाज़ार में अस्थिरता और बढ़ने की संभावना है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने बड़े निवेशकों से परामर्श करके अपने आईपीओ की वैल्यूएशन घटाने का निर्णय लिया। भारतीय शेयर बाजार में चार सप्ताह से गिरावट जारी है, जिससे बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स अपने ऊपरी स्तर से 8 प्रतिशत तक गिर चुका है। हाल ही में ह्युंडई इंडिया के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग और विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली ने भी बाजार की स्थिति को प्रभावित किया है। खुदरा निवेशकों की ओर से ठंडा रिस्पॉन्स मिलने के कारण ह्युंडे इंडिया के शेयर अपने डेब्यू पर 7.2 प्रतिशत गिर गए थे, जिससे बाजार में मूल्यांकन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्विगी के इस कदम के बावजूद भारतीय आईपीओ बाजार में उत्साह बना हुआ है। इस साल अब तक लगभग 270 कंपनियों ने 12.57 अरब डॉलर की राशि जुटाई है, जो 2023 में जुटाए गए 7.4 अरब डॉलर की तुलना में अधिक है। स्विगी और ज़ोमैटो के बीच फूड डिलीवरी सेक्टर में प्रतिस्पर्धा जारी है, जिसमें दोनों कंपनियों ने क्विक-कॉमर्स सेवा में निवेश किए हैं, जिसके तहत किराने और अन्य उत्पादों की डिलीवरी 10 मिनट में करने की सुविधा दी जाती है। कंपनी के पिछले फंडिंग राउंड, जिसमें इनवेस्को ने निवेश किया था, में स्विगी का मूल्यांकन 10.7 अरब डॉलर था।

दिवाली से पहले महंगाई से मिली थोड़ी राहत, सरसों तेल की कीमतों में आई गिरावट

मुंबई ,(ए)। सहकारी संस्था, नाफेड की बिकवाली जारी रहने से दिल्ली के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि कल रात शिकागो एक्सचेंज के दो प्रतिशत से ज्यादा मजबूत होने के कारण सोयाबीन तेल के दाम में मजबूती रही। बाकी सभी तेल-तिलहनों (मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, सीपीओ एवं पामोलीन) तथा बिनौला तेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि सरकार के द्वारा सस्ते आयातित खाद्यतेलों का आयात शुल्क बढ़ाने के फैसले के बाद पिछले लगभग तीन सालों से जो सरसों नॉफेड के पास जमा हो रखा था, वह खप रहा है अन्यथा इसका खराब होना तय था। इससे किसानों को अच्छे दाम मिले और देश की पेराई मिलों में काम चल पड़ा।

मूंगफली तेल में गिरावट

जो लोग शुल्क वृद्धि से खाद्यतेल कीमतों में बेतहाशा वृद्धि की आशंका जता रहे थे, उन्हें जानकर हैरत होगी कि शुल्कवृद्धि के बाद सरसों तेल के दाम महज 10 रुपये लीटर ही बढ़े हैं। दूसरी ओर सबसे मंहगा बिकने वाला मूंगफली तेल का दाम 5-7 रुपये लीटर घटा है। लेकिन इसके कारण देश की बंद पड़ी मिलें चल गई और किसानों को फायदा पहुंचा। राजस्थान में तो सरसों तेल और आयातित तेलों से भी सस्ते थोक दाम में मूंगफली तेल बिक रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 15 सालों से खाद्यतेलों का दाम नहीं बढ़ा है, जिसके कारण देश का तिलहन उत्पादन भी नहीं बढ़ पाया है। देश में उत्पादन बढ़ने पर असामान्य परिस्थिति में तो स्थितियों को कई तरह के उपायों से निपटा जा सकता है। पर जब खाद्यतेलों के लिए आयात पर निर्भरता रहेगी, तो उसे नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। इस वजह से भी तेल-तिलहन उत्पादन मामले में आत्मनिर्भरता बेहद आवश्यक है, क्योंकि इसके लिए देश को भारी मात्रा में विदेशीमुद्रा खर्च उठाना पड़ता है।

सोयाबीन तेल में मामूली तेजी

सूत्रों ने कहा कि शिकागो एक्सचेंज कल रात दो प्रतिशत से अधिक तेज बंद हुआ था जिसकी वजह से सोयाबीन तेल कीमतों में सुधार आया। लेकिन ऊंचे भाव पर डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग प्रभावित होने से सोयाबीन तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ का हुआ लाभ

मुम्मई (ए)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 602.75 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 80,005.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 158.35 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी की बढ़त के साथ 24,339.15 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए।

अमेरिकी बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेश सतर्कता बरत रहे हैं। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 273

अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 79,675 और एनएसई का निफ्टी 74.35 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी ऊपर आकर 24,255 पर था।

दिवाली से पहले बाजार में आई इस तेजी के कारण निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा लगभग 3 फीसदी बढ़ा। । 2024-25 की दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ने से बैंक के शेयर में आज उछाल देखा गया । बैंक ने शनिवार को दूसरी तिमाही के परिणाम जारी किये थे। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर आज नीचे आये।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला है। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी, वैश्विक बाजारों से मजबूत रुझान और घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में उत्साह का माहौल रहा। , विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 3,036.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

निवेशकों के लिए कठिन रहा बीता हफ्ता, घरेलू आर्थिक स्थितियां भारतीय शेयर बाजार के पक्ष में

मुंबई, (ए)। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुश्किलों भरा रहा। बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी दोनों ही सूचकांक में भारी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स में क्रमश: 2.7 प्रतिशत और 2.2 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई।आने वाले समय में घरेलू आर्थिक स्थितियां बाजार के पक्ष में दिख रही हैं। मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार, हाल ही में जारी मजबूत क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) डेटा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्त वर्ष 25 के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि पूर्वानुमान के साथ आंकड़े बड़े पैमाने पर बाजार के पक्ष में हैं। भारत के विनिर्माण उद्योग ने अक्टूबर में वृद्धि की गति फिर से हासिल कर ली है और इस तेजी को फैक्ट्री उत्पादन और सेवा गतिविधियों में तेज वृद्धि से समर्थन मिला है।

सरकार ने घटिया हेलमेट के खिलाफ विशेष अभियान शुरु किया, इन कारोबारियों पर एक्शन का हुआ आदेश

मुंबई(ए)। सड़क सुरक्षा और बाजार में घटिया सुरक्षात्मक उपकरणों की बाढ़ से जुड़ी चिंताओं के बाद केंद्र सरकार ने जिला अधिकारियों को गैर-आईएसआई प्रमाणित हेलमेट के निर्माताओं और विक्रेताओं पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार ने अब तक 162 हेलमेट विनिर्माण लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। अधिकारियों ने भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों के उल्लंघन को लक्षित करते हुए 27 छापे मारे हैं।

सभी हेलमेट के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा, हेलमेट जीवन बचाते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे अच्छी गुणवत्ता के हों। यह पहल बाजार से असुरक्षित हेलमेट हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। यह कार्रवाई सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जून, 2021 में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू करने के बाद की गई है, जिसमें मानक आईएस 4151-2015 के तहत सभी हेलमेट के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।

बिना प्रमाणिकता वाले हेलमेट बेचने वालों पर नकेल

अधिकारियों ने खास तौर पर सड़क किनारे बिना प्रमाणिकता वाले हेलमेट बेचने वाले विक्रेताओं को निशाना बनाया है। उपभोक्ता बीआईएस केयर ऐप या वेबसाइट के माध्यम से विनिर्माता की साख को सत्यापित कर सकते हैं। जिला अधिकारियों को उल्लंघन की पहचान करने के लिए पुलिस और बीआईएस अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि अभियान को मौजूदा सड़क सुरक्षा पहलों के साथ एकीकृत किया जाएगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम

सार यह कि भारतीय आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी का मारा है। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे अति न्यूनतम पैमाना बताया है।विश्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना है कि 2020 (यानी कोरोना काल) के बाद से भारत सहित दुनिया में गरीबी घटने की प्रक्रिया ठहर गई है। बैंक का ताजा आकलन है कि भारत में इस समय 12 करोड़ 90 लाख लोग चरम गरीबी की अवस्था में जी रहे हैं। विश्व बैंक का चरम गरीबी का पैमाना 2.15 डॉलर प्रति दिन (परचेजिंग पॉवर पैरिटी- पीपीपी- के अर्थ में) से कम खर्च क्षमता है। पीपीपी पर यह रकम फिलहाल लगभग 44 रुपये प्रतिदिन बैठती है। वैसे विश्व बैंक ने चूंकि भारत को मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में रखा हुआ है, इसलिए उसका कहना है कि भारत पर चरम गरीबी का पैमाना 6.85 डॉलर प्रति दिन (पीपीपी में तकरीबन 139 रुपये) लागू होना चाहिए। इस कसौटी पर देखें, तो भारत में 43 करोड़ से अधिक लोग चरम गरीबी की अवस्था में हैं। यह संख्या 1990 में भारत में चरम गरीबी सीमा के नीचे आने वाले कुल लोगों की संख्या से ज्यादा है (तब भारत की जनसंख्या लगभग 88 करोड़ थी)। विश्व बैंक ने भारत सरकार की तरफ से हाल में जारी घरेलू उपभोग एवं खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2022-23 में अपनाए गई विधि की आलोचना की है। इस सर्वे के आधार पर सरकार ने भारत में गरीबी मिटाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति का दावा किया था। यानी कुल सार यह है कि भारत में गरीबी के मारे लोग आज भी बड़ी संख्या में हैं। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे मनमाने ढंग से तैयार किया गया न्यूनतम पैमाना बताया है। अगर गौर करें कि मध्यम आय श्रेणी वाले भारत जैसे देश में रोज 139 रुपये खर्च क्षमता वाले व्यक्ति को विश्व बैंक गरीब नहीं मानता, तो समझा जा सकता है कि यह फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम है। आखिर इतनी रकम के साथ कोई व्यक्ति किस स्तर का उपभोग कर सकता है? बहरहाल, इस फॉर्मूले के मुताबिक भी सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था' की यह सूरत उभरी है, हमारे विकास की दिशा क्या है, यह खुद जाहिर हो जाता है।

धनतेरस से दीपावली का शंखानंद-भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरु

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अगर हम गहराई से देखें तो भारत में करीब करीब हर दिन किसी न किसी पर्व को मनाने का होता है। कभी सामाजिक जातीय धार्मिक, राष्ट्रीय तो कभी चुनावी महापर्व जैसे 20 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र और झारखंड का चुनावी महापर्व तथा 23 नवंबर 2024 को परिणाम आने का महापर्व मनाने का दिन है, इन त्योहारों का एक महत्वपूर्ण भाव अनेकता में एकता है,इसके कारण ही भारत एक विशालकाय जनसंख्या वाला देश विभिन्न धर्मो जातियों उपजातियों के बीच सर्वधर्म सद्भाव के प्रेम से संजोया हुआ एक खूबसूरत गुलदस्ता है,इसीलिए ही हर धर्म समाज का पर्व हर दिन आनास्वाभाविक है। परंतु उन कुछ पर्वों में से धनतेरस से दीपावली और फिर छठ महापर्व एक ऐसा खूबसूरत त्यौहार पर्व है जिसे भारत में ही नहीं पूरी दुनियाँ में बसे भारतवंशियों द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 29 अक्टूबर 2024 से हो गई है जो 5 दिन तक बड़ी सौहार्दपूर्ण के साथ और खुशियों के साथ मनाया जा रहा है, फिर अब दीपावली के छठवें दिन से छठ पर्व मनाया जाएगा, जो धार्मिक आस्था का खूबसूरत प्रतीक है। चूंकि दीप जले दीपावली आई, धनतेरस ने दीपावली का आगाज़ कर दिया है और पांच दिवसीय दीपावली पर्व का धनतेरस के भावपूर्ण स्वागत से शुरू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ के महात्योहार में खुशियों से सराबोर होकर पूर्ण तृप्ति होंगे।

साथियों बात अगर हम दीपावली महापर्व की शुरुआत धनतेरस मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 से शुरू होने की करें तो, दीपावली का शुभारंभ धनतेरस के दिन से ही हो जाता है और भाई दूज तक यह 5 दिवसीय उत्सव मनाया जाता है। सबसे पहले धनतेरस, फिर नरक चतुर्दशी, उसके बाद बड़ी दिवाली, फिर गोवर्द्धन पूजा और सबसे आखिर में भाई दूज पर इस पर्व की समाप्ति होती है।धनतेरस इस बार आज 29 अक्टूबर 2024 को मनाई जा रही है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं में यह बताया गया है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को समुद्र मंथन से भगवान धनवंतरी प्रकट हुए थे और उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। उन्हें विष्णु भगवान का अवतार माना जाता है। धनतेरस को उनके प्राकट्योत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेरजी और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और सोने-चांदी के अलावा बर्तनों की खरीद करते हैं। धनतेरस को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दिन खरीदी गईवस्तुओं में 13 गुना वृद्धि होती है और हमको धन की कमी नहीं होती।मृत जीवित हो आता था।विधाता के कार्य में यह बहुत बड़ा व्यवधान पड़ गया। सृष्टि में भयंकर अव्यवस्था उत्पन्न होने की आशंका के भय से देवताओं ने इन्हें छल से लोप कर दिया। वैद्यगण

इस दिन धन्वंतरी जी का पूजन करते हैं और वर मांगते हैं कि उनकी औषधि व उपचार में ऐसी शक्ति आ जाए जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ हो। सद्गृहस्थ इस दिन अमृत पात्र को स्मरण कर नए बर्तन घर में लाकर धनतेरस मनाते हैं। आज के दिन ही बहुत समय से चले आ रहे मनो मालिन्य को त्याग कर यमराज ने अपनी बहिन यमुना से मिलने हेतु स्वर्ग से पृथ्वी की ओर प्रस्थान किया था। गृहणियां इस दिन से अपनी देहरी पर दीपक दान करती हैं, जिससे यमराज मार्ग में प्रकाश देखकर प्रसन्न हों और उनके गृह जनों के प्रति विशेष करुणा रखें। इस वर्ष यह पर्व 29 अक्टूबर 2024 ई मंगलवार को मनायाजा रहा है, इसी दिन प्रात: सूर्यादय से ही त्रयोदशी तिथि का आगाज हुआ ।अत: उदय व्यापिनी त्रयोदशी होने के कारण प्रदोष व्रत के साथ-साथ प्रदोष काल में दीपदान का अति विशेष महत्व रहेगा।साथियों बात अगर हम पांच दिवसीय दीपावली महापर्व की करें तो (1) पहला दिन - पहले दिन को धनतेरस कहते हैं। दीपावली महोत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वंतरि की पूजा का महत्व है। इसी दिन समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी समुद्र मंथन से प्राप्त हुए थे। तभी से इस दिन का नाम धनतेरस पड़ा और इस दिन बर्तन, धातु व आभूषण खरीदने की परंपरा शुरू हुई। इसे रूप चतुर्दशी भी कहते हैं। (2) दूसरा दिन - दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी रूप चौदस और काली चौदस कहते हैं। इसी दिन नरकासुर का वध कर भगवान श्रीकृष्ण ने 16,100 कन्याओं को नरकासुर के बंदीगृह से मुक्त कर उन्हें सम्मान प्रदान किया था। इस उपलक्ष्य में दीयों की बारात सजाई जाती है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन एवं स्नान करने से समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं इस दिन से एक ओर मान्यता जुड़ी हुई है जिसके अनुसार इस दिन उबटन करने से रूप व सौंदर्य में वृद्धि होती है। इस दिन पांच या सात दीये जलाने की परंपरा है। इस बार यह पर्व 30 अक्टूबर 2024 बुधवार को मनाया जाएगा। (3) तीसरा दिन-अब आता है इस लड़ी के मध्य दैदीप्यमान मंजूषा का उल्लास और उत्साह से भरा महान पर्व दीपावली और महालक्ष्मी पूजन तीसरे दिन को दीपावली कहते हैं। यही मुख्य पर्व होता है। दीपावली का पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी के पूजन का पर्व होता है। कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की देवी माना जाता है। अत: इस दिन मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप जलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात के अंधकार में दीपों से वातावरण रोशन हो जाए। दूसरी मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान रामचन्द्रजी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर घर लौटे थे। श्रीराम के स्वागत हेतु अयोध्या वासियों ने घर-घर दीप जलाए थे और नगरभर को आभायुक्त कर दिया था। तभी से दीपावली के दिन दीप जलाने की परंपरा है। 5 दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है।इस दिन रात्रि को धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य 1 तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्वलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं 4 बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे, ऐसा प्रयास करें। (4) चौथा दिन - इस लड़ी का चौथा माणिक है कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा। यह पर्व भारत की कृषि-प्रधानता,पशुधन उद्योग व व्यवसाय का प्रतीक है। इसी दिन श्री कृष्ण ने अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को छत्र की तरह धारण करके वनस्पति तथा लोगों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। यह गोवर्धन पर्व अन्नकूट के नाम से विख्यात है। इस दिन नाना प्रकार के खाद्यान्न बनाए जाते हैंघी, दूध, दही से युक्त इनका भोग भगवान को लगाया जाता है। शिल्पकार व श्रमिक वर्ग आज के दिन विश्वकर्मा का पूजन भी श्रद्धा भक्तिपूर्वक करते हैं। आज चहुंमुखी विकास और वृद्धि की कामना से दीप जलाए जाते हैं। इस वर्ष यह पर्व 2 नवंबर 2024, शनिवार को मनाया जाएगा।कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इसे पड़वा या प्रतिपदा भी कहते हैं। खासकर इस दिन घर के पालतू बैल, गाय, बकरी आदि को अच्छे से स्नान कराकर उन्हें सजाया जाता है।

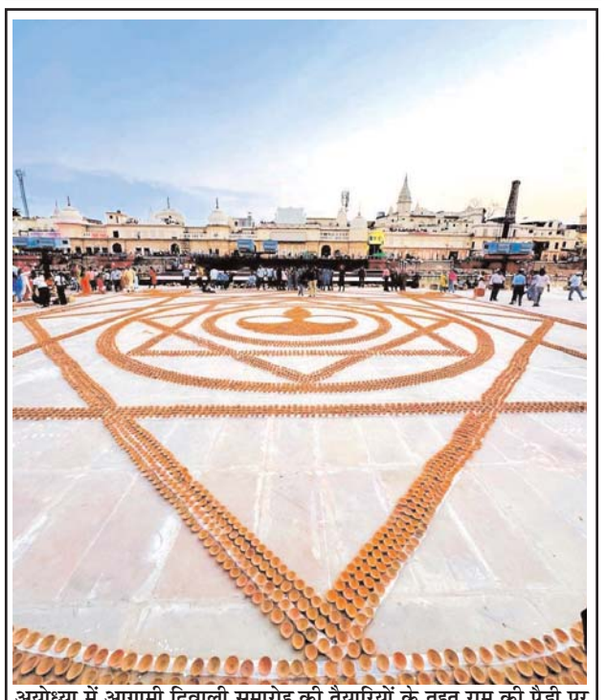

अयोध्या में आगामी दिवाली समारोह की तैयारियों के तहत राम की पैड़ी पर मिट्टी के दीये सजाते कार्यकर्ता.

कैदी ईश्वर से अपनी मौत मनाया करते थे, ताकि मुक्ति मिले!

शंकर शरण

यह सोवियत रूस में 1950 के दशक में जानी-मानी बात थी कि लाखों लाख रूसी कैदियों से जो अपराध जबरन कबुलवाये गये, वे वस्तुत: निरपराध लोग थे। पर बाहरी दुनिया को इस की कोई खबर न थी। इक्के-दुक्के व्यक्तियों के बताने पर उसे अतिरंजित आलोचना समझा जाता था, जो इतने अविश्वसनीय लगते थे! पर वास्तविकता उस से भी अधिक भयावह थी।

गुलाग आर्किपेलाग की विरासत -2

सोवियत व्यवस्था में विविध शहरों को कोटा देकर भी गिरफ्तारियाँ और दंड दिए जाते थे। फलाँ शहर या जिले में इतनी संख्या में जनता के दुश्मनों' को पकडऩा है। यह सोवियत खुफिया पुलिस वालों को मिलने वाले ईनाम और तरक्की से भी जुड़ा था! सो, पुलिस अधिकारी ऊपर वालों से आग्रह करते थे कि उन्हें और भी जनता के दुश्मन' पकडऩे दिया जाए। यह सनक इस हद तक थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में लडऩे वाले रूसी सैनिक जो जर्मन सीमा में घुसे थे, उन में भी बहुतों को गिरफ्तार किया गया। सिर्फ इस संदेह में कि चूँकि वे यूरोप के खुले, पूँजीवादी समाज का स्वतंत्र जीवन देख आए थे, तो जरूर समाजवाद के प्रति शंकालु हो गये होंगे! फिर जो रूसी सैनिक जर्मनों के बंदी होकर उधर महीनों रहे थे, उन्हें युद्ध समाप्ति के बाद लौटाये जाने पर सब को थोक भाव में बंदी बनाकर गुलाग भेज दिया गया। असंख्य वैसे रूसी सैनिक स्वदेश लौटना नहीं चाहते थे, जिन्हें ब्रिटिश और अन्य यूरोपीय सरकारों ने जबर्दस्ती वापस भेजा। (जॉर्ज ऑरवेल ने इस का प्रत्यक्ष विवरण नोट किया था, लेकिन इस घटना को यूरोपीय प्रेस ने लुप्तप्राय कर दिया क्योंकि तब सोवियत संघ हिटलर-विरोधी मोर्चे का अंग था)। उन रूसी सैनिकों में कुछ ने रास्ते में आत्महत्या कर ली, उन्हें मालूम था कि उन के साथ क्या होने वाला है। सब लौटे रूसी बंदी सैनिकों पर भी वही राजनीतिक' और क्रांति-विरोधी विचार' के अपराध की धाराएं लगाकर यातना शिविरों में भेज दिया गया। यह धाराएं इतना विस्तार घेरती थीं कि वैसे अपराधियों के परिवारजन और संबंधी, मित्र भी स्वत: संदिग्ध और अक्सर अपराधी भी करार देकर बंदी बना लिये जाते थे। एक विशेष श्रम-यातना शिविर जनता के दुश्मनों की पत्नियों का था। यानी जिस व्यक्ति को बंदी बनाया गया, उस की पत्नी भी निश्चित दुश्मन श्रेणी में संदिग्ध थी। उन के नाबालिग बच्चे भी बंदी बनाए जाते थे, ताकि बड़े होने पर सरकार के विरुद्ध शत्रुता न कर सके। जैसा सोवियत प्रोसेक्यूटर निकोलाई क्रिलेन्को ने कहा था, हमें अपने को न केवल अतीत बल्कि भविष्य के शत्रुओं से भी बचाना है। दंड के रूप भी जारशाही जमाने की तुलना में विविधता भरे और अधिक से अधिक भयावह थे। जार के जमाने में जेल भोगे रूसी लेखक दॉस्ताएवस्की ने अपने नोट्स फ्रॉम द हाउस ऑफ द डेड' में जेल के जो विवरण लिखे हैं वे सोवियत जेल और गुलाग के विवरणों के सामने मानो स्वर्ग जैसे प्रतीत होते हैं! सोल्झेनित्सिन नोट करते हैं कि जब रूसी साम्राज्ञी कैथरीन द ग्रेट ने लेखक रादिश्चेव (1791 ई. लगभग) को कैद किया था, जो उसे यातना नहीं दी गई थी। उस के संबंधियों को भी बंदी बना लेने का ख्याल किसी को सपने में भी नहीं आया था। बल्कि रादिश्चेव जानते थे कि उन का बेटा बड़ा होकर इंपीरियल आर्मी में अफसर बनेगा, चाहे खुद रादिश्चेव का कुछ भी हो।उसी तरह, जारशाही में लेनिन के सगे भाई को आतंकवादी कार्रवाई के दंड में फाँसी हुई थी। पर लेनिन मजे से कजान विश्वविद्यालय में पढ़ते रहे। कानून की डिग्री भी ली। यदि किसी को खुद उस की राज्य-विरोधी गतिविधियों के लिए पकड़ा भी जाता था, तो केवल देहात चले जाने का हुक्म दिया जाता था। कैद भी नहीं। यह बीसवीं सदी के आरंभिक समय तक रहा। यानी, अंतिम जार के शासन तक, जिसे यूरोपीय लोग सब से बड़ा उत्पीड़क मानते रहे थे। किसी विद्रोही को सजा भी होती थी, तो एक साल की। जो सोवियत दौर में कम से कम दस साल की होती थी, वह भी जिस ने कुछ न किया हो', यानी केवल मामूली संदेह पर। वरना? बीस-पच्चीस साल की सजा सामान्य थी।

जार की जेलों में राजनीतिक कैदियों को पुस्तकें आदि पढऩे-लिखने की सुविधाएं थी। वस्तुत: जार की जेलें ऐसी ढीली-ढाली थीं कि जो चाहे भाग सकता था। खुद स्तालिन चार बार जेल से भाग चुके थे।

मेष राशि- आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आर्थिक पक्ष को मजबूत बनाने हेतु कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं बनेगी। आज दिन भर घर की व्यवस्था और सुधार संबंधी कामों में व्यस्तता रहेगी। बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनमें खुशी और आत्मबल बढ़ेगा।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज आपकी मानसिक और आत्मिक सुख शांति बनी रहेगी। इच्छित कार्य समय पर पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। आज जीवन में सब कुछ होते हुए भी कुछ खालीपन सा महसूस होगा। अपने ऊपर नकारात्मकता ना हावी होने दें और स्वयं को व्यस्त रखें। किसी धार्मिक स्थल पर जाकर कुछ समय व्यतीत करना आप को सुकून देगा। आज आपकी हेल्थ फिट रहेगी। घर में सुख-सौभाग्य बना रहेगा। जीवनसाथी को आज आप उनके मनपसंद उपहार देंगें, इससे उनको बेहद प्रसन्नता होगी।

मिथुन राशि-आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज परिवार में किसी सदस्य की उपलब्धि से घर में खुशनुमा वातावरण रहेगा। डिनर और मनोरंजन से रिलेटेड कोई यादगार प्रोग्राम भी बन सकता है। आज थोड़ी-सी कोशिश से आप ऊंचे पद पर पहुंच सकते हैं। इस राशि के जो लोग सूचना प्रसारण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं आज उन्हें किसी बड़ी संस्था में काम करने का अवसर मिल सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में परिवार से सहयोग मिलेगा। वर्क प्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। अपने करियर को लेकर मन में दुविधा होगी, लेकिन जल्द ही सॉल्व भी हो जायेगी। आपका स्वास्थ्य पहले से ठीक रहेगा, ड्राई फ्रूट्स खाएं। पिता बच्चों के साथ गेम्स खेलने का प्लान बना सकते हैं।

सिंह राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी किसी अनजान व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जोकि आपके लिए लाभदायक साबित होगी। आज संतान की तरफ से कोई शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। आज आलस को अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे और अपने काम पर अधिक ध्यान देंगे। आज आप अपने आत्मविश्वास की कमी महसूस कर सकते हैं।

कन्या राशि-आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार की समस्या हल करने में आपकी विशेष भूमिका रहेगी। इससे आपकी छवि और व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा। घर की जरूरत संबंधी आवश्यकताओं को लेकर मार्केटिंग में भी समय बीत सकता है।

तुला राशि-आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यो को सीखने का करेगा। बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आज अपने कामकाज को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन ठीक रहेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपने लिए कुछ ख़ास करने का प्लान बनायेंगे। शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लेंगें। आज आप अपने रहन-सहन में बदलाव करने की सोचेंगें जिससें आपको फायदा होगा। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उनकी आज समाज में काफी प्रशंसा होगी। परिवारिक रिश्ते बेहतर होंगे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु राशि-कई दिनों से चल रहे कुछ महत्वपूर्ण कार्य आज पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिये बनायी योजनाओं पर भी आज कुछ सोच-विचार कर सकते हैं। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में परिवार के लोगों से मदद भी मिलेगी। जीवन में अपने परिवार, दोस्तों और जीवनसाथी की भूमिका को पहचानेंगे। आज आपके स्वभाव में संयम और धीरज बना रहेगा, जिसके कारण आप अपनी सभी समस्याओं का हल आसानी से ढूंढ लेंगे।

मकर राशि-आज का दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल सकते हैं। महिलाए आज घर के कामकाज निपटाने में सफल रहेंगी। आज जीवनसाथी को उनके मनपसंद उपहार दे सकते हैं । आज कोई भी फैसला सोचङ्कसमझकर लें। किसी काम में जल्दवाजी करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि-आज आपका मन घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेने का करेगा। आर्थिक रूप से पुरानी बहुमूल्य चीज़ों के मोलभाव पर लाभ होगा। अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। आपका आत्मबल आपके लिये सफलता की कुंजी साबित होगा। सरकारी संबंधित काम करवाने के लिए आपको थोड़े धैर्य से काम लेना होगा।

मीन राशि-आज का दिन फायदेमंद रहेगा। निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं। आज का दिन योजना बनाने और फैसला लेने के लिए बहुत अच्छा है। आज अपना पूरा ध्यान अपनी जिमेदारियों पर रखें।

ममता के प्रति जो धारणा बदल रही

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल में इतिहास अपने को दोहराता लग रहा है। एक बाद एक हो रही भयावह घटनाएं और राज्य के अलग अलग हिस्सों में स्वंयस्फूर्त हो रहे जन आंदोलन 2011 से पहले के समय की याद दिला रहे हैं। पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के पांव उखडऩे से पहले राज्य के हालात ऐसे ही थे। एक तो ममता बनर्जी ने मुख्य विपक्ष के नाते सरकार की नाक में दम किया हुआ था। नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण और सिंगूर में टाटा की नैनो कार के प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के खिलाफ ममता ने इतना बड़ा आंदोलन खड़ा कर दिया कि साढ़े तीन दशक से सत्ता में बैठा वाम मोर्चा इसे संभाल नहीं सका। नंदीग्राम में 2007 में जो आंदोलन शुरू हुआ उसकी अंत परिणति 2011 में वाम शासन के अंत और ममता बनर्जी की ताजपोशी के रूप में हुई।

अब 2026 के विधानसभा चुनाव से दो साल पहले से ठीक वैसे ही हालात बन रहे हैं, जैसे 2007 में थे। ममता बनर्जी के खिलाफ बात बात पर आंदोलन भड़क जा रहा है। फर्क इतना है कि इस बार ममता बनर्जी के सामने उनकी तरह का कोई फायरब्रांड विपक्षी नेता नहीं है। भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी है लेकिन उसके पास कोई चेहरा नहीं है। वह तृणमूल कांग्रेस से उधार पर लाए शुभेंदु अधिकारी के दम पर ममता बनर्जी से नहीं लड़ सकती है। भाजपा इस बात को समझ रही है तभी उसने कोई चेहरा आगे नहीं किया है और न यह दिखा रही है कि ममता सरकार के खिलाफ अलग अलग जगहों पर हो रहे आंदोलन के पीछे उसका कोई हाथ है। कई जगह सचमुच भाजपा का हाथ नहीं भी है। लोग खुद से आंदोलित हो रहे हैं और हर छोटा बड़ा प्रदर्शन अंत में सरकार विरोधी बड़े आंदोलन में तब्दील हो रहा है।

सबसे अहम बात यह है कि मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता के तौर पर ममता बनर्जी धारणा की लड़ाई हार रही हैं। वे नैरटिव लूज कर रही हैं। उन्होंने मां, माटी मानुष' का जो नैरेटिव गढ़ा था वह उनके हाथ से फिसल रहा है। महिलाएं उनकी सरकार से नाराज हैं और उनको कठघरे में खड़ा कर रही हैं। आरजी कर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की घटना के बाद ममता के प्रशासन ने जिस तरह से काम किया उससे ममता के दामन पर बहुत गहरे दाग लगे हैं। उनकी

साधारण सफेद सूती साड़ी महिलाओं को भरोसा जगाती थी वह अब नहीं हो रहा है।

कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक हड़ताल की और इस दौरान डॉक्टरों से इतर सामान्य महिलाओं ने भी बड़ी तादाद में आकर उनका समर्थन किया। फिर जूनियर डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठे और उनको व्यापक समाज का समर्थन मिला। वे इस बात से आहत हैं कि अस्पतालों में उनके ऊपर बेवजह हमले होते हैं और सरकार कुछ नहीं करती है। वे राज्य में धमकी देने की संस्कृति का समापन चाहते हैं और इसमें भी सरकार कुछ नहीं कर रही है।

ममता बनर्जी की सरकार के बारे में यह धारणा बन रही है कि उसने महिला की अस्मिता और जान के ऊपर अपनी सरकार की छवि को प्रमुखता दी और इसलिए छवि बचाने के लिए ममता की पुलिस ने पीड़ित डॉक्टर के परिजनों को पैसे का ऑफर दिया था। अभी इस घटना का विरोध बंद भी नहीं हुआ था कि दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली इलाके में एक 10 वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसके परिजनों का कहना है कि उसके साथ बलात्कार किया गया और उसके बाद बहुत बेरहमी से हाथ पांव तोड़ कर उसको मार डाला गया।

लड़की के लापता होने की शिकायत जब थाने में की गई तो पुलिस वालों ने कोई नोटिस नहीं लिया और बच्ची को तलाशने का कोई प्रयास नहीं किया। तभी उसका शव मिलने के बाद लोगों का गुस्सा भड़का और उन्होंने थाने में आग लगा दी। उससे पहले तोडफ़ोड़ की और पुलिस वालों पर हमला किया। पुलिस वालों को भाग कर जान बचानी पड़ी। लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय विधायक को भी खदेड़ कर भगा दिया। लोगों ने इस घटना की तुलना आरजी कर अस्पताल की घटना से की और कहा कि दोनों मामलों में ममता बनर्जी की पुलिस का रवैया एक जैसा था।

इससे पहले संदेशखाली में जो हुआ वह भी सबको पता है। तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख की ज्यादतियों के खिलाफ लोग एकजुट हुए और उन्होंने सड़क पर उतर कर आंदोलन किया। उस मामले में भी ममता बनर्जी की पुलिस ने आरोपी को बचाने का प्रयास किया। संदेशखाली, कोलकाता और दक्षिण 24 परगना के कृपाखाली की तीन घटनाएं ममता सरकार के बारे में बन रही नकारात्मक धारणा का मुख्य कारण बनी हैं। वैसे और भी कारण होंगे। लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने के बाद किसी भी सरकार के प्रति एंटी इन्कम्बैंसी पैदा होती है। हालांकि जब भी इस तरह की बात होती है तो तृणमूल समर्थकों का कहना होता है कि लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 29 सीटें जीती हैं। उसने भाजपा से उसकी जीती हुई छह सीटें छीन ली है। इसका मतलब है कि लोग अब भी उसके साथ हैं।

लेकिन ध्यान रहे लोकसभा का चुनाव आरजी कर अस्पताल की घटना के पहले हुआ था और दूसरे, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ देश भर में नाराजगी थी, जिसका फायदा ममता बनर्जी को मिला। आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद ममता के प्रति धारणा तेजी से बदली है। जितनी बड़ी संख्या में महिलाएं उनके खिलाफ प्रदर्शन करने सड़क पर उतरी हैं वह मिसाल है कि चीजें तेजी से बदल रही हैं। ममता के खिलाफ बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतरी हैं और इसके प्रतीक इस साल दुर्गापूजा के पंडालों में भी दिखे। अनेक पूजा पंडाल आरजी कर अस्पताल की घटना की थीम पर बने थे। एक पूजा पंडाल में जूनियर डॉक्टर का शव मां दुर्गा के साथ में था। वे दोनों हाथों से जूनियर डॉक्टर के शव उठाए हुए थीं। एक दूसरे पूजा पंडाल में जूनियर डॉक्टर का शव जमीन पर पड़ा था और मां दुर्गा ने अपनी दोनों आंखें अपने हाथ से ढक ली थी। उस पंडाल में मां दुर्गा का शेर भी शर्मिंदा होकर नजरें झुका कर खड़ा था।

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों की बहुत झलक दुर्गापूजा के पंडालों से मिलती है। अगर इसको पैमाना मानें तो साफ दिखेगा कि ममता बनर्जी नैरेटिव लूज कर रही हैं। उनके बारे में धारणा बदल रही है। महिलाओं की नाराजगी के अलावा उनके प्रति धारणा बदलने वाली दूसरी बात यह है कि कोलकाता और पूरे बंगाल की सिविल सोसायटी उनके खिलाफ है। सिविल सोसायटी ने ममता बनर्जी से मुंह मोड़ लिया है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

वायू प्रदूषण बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा, कई हिस्सों में छाया धुंआ

हवा में सांस लेना आम जनता के लिए काफी मुश्किल भरा

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों हवा में सांस लेना आम जनता के लिए काफी मुश्किल भरा हो रहा है। हवा में लगातार प्रदूषण घुल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में धुंध की परत छाई रही और सोमवार को वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही है। वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 328 दर्ज किया गया। यह रविवार के औसत एक्यूआई 356 से थोड़ा ही बेहतर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार इलाके में सुबह 7 बजे एक्यूआई 357 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में है, जबकि रविवार को यह 405 था, जो गंभीर श्रेणी में था। अक्षरधाम मंदिर के आसपासएक्यूआई 357 दर्ज किया गया, जो कल सुबह 7 बजे 261 एक्यूआई से भी खराब है। सफर ने अनुमान लगाया है कि दिल्ली में 1 जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद, पटाखों के इस्तेमाल और पराली जलाने से होने वाले अतिरिक्त उत्सर्जन के कारण राजधानी में आने वाले सप्ताह में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। सफर की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है, प्रदूषकों के प्रभावी फैलाव के लिए मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। दिल्ली के एक छात्र वंश अग्रवाल ने सरकार से राजधानी शहर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीकों और नवाचार का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने एएनआई से कहा, वाहन और औद्योगिक प्रदूषण सहित प्रदूषण में वृद्धि के कई कारण हैं। भले ही यह कहा जा रहा है कि दिवाली के कारण यह बढ़ रहा है, लेकिन इसके कई कारण हैं, इसे केवल दिवाली के लिए जिम्मेदार ठहराना गलत होगा। प्रदूषण के मुद्दे से निपटने के लिए एक उचित व्यवस्था होनी चाहिए। यहां बहुत सारे इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, किसी तरह हमें नई तकनीकों और नवाचारों का उपयोग करना चाहिए, सरकार को इसे नियंत्रित करना चाहिए और इसका राजनीतिकरण करने के बजाय कुछ कदम उठाने चाहिए।

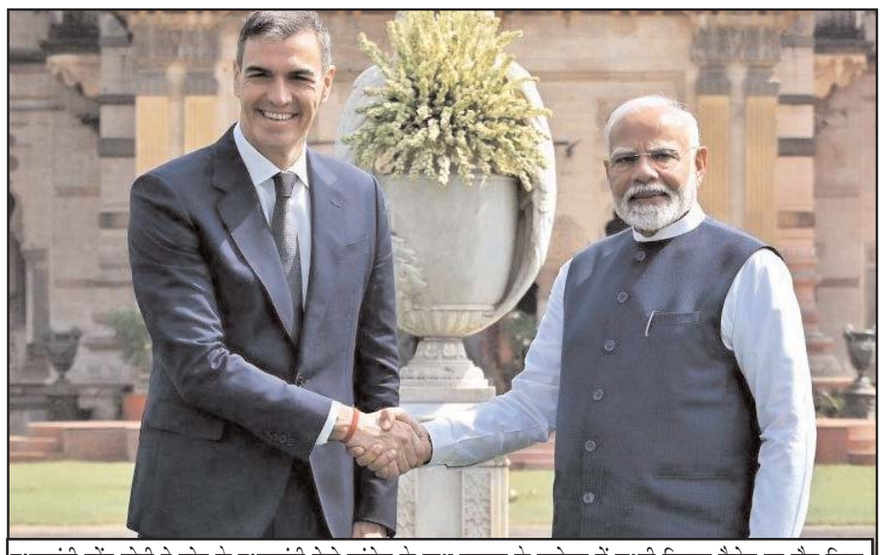

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ के साथ गुजरात के वडोदरा में लक्ष्मी विलास पैलेस का दौरा किया.

ओवैसी पर भड़के गिरिराज सिंह, कहा- हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलाइए

नईदिल्ली (ए)। असदुद्दीन ओवैसी पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह भड़क गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर पर हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलावे का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी जैसे लोग अफ़वाह और भ्रम फैलाते हैं कि मुसलमान आने वाले 80-90 सालों में भी हिंदुओं की बराबरी नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलाइए। 1951 में उनकी संख्या 2.5 से 2.8 करोड़ थी। आज सरकारी आंकड़ों के हिसाब से आप 17 करोड़ हैं, अघोषित आंकड़े कहते हैं कि आप 25 करोड़ हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हिंदू 30 करोड़ से बढ़कर 90 करोड़ हो गए। हम तीन गुना बढ़ गए, जबकि आपकी जनसंख्या 7 गुना बढ़ गई। इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ किशनगंज में उनकी च्विंदू स्वाभिमान यात्राज् के दौरान की गई विवादित टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई है।

विविध-समाचार

सरकारी स्कूल की महिला टीचर के साथ दुष्कर्म का आरोपी प्रिंसिपल गिरफ्तार, फोटो-वीडियो के सहारे ब्लैकमेल कर की ज्यादती

भीलवाड़ा(आरएनएस)। जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र में एक महिला टीचर के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि उसी क्षेत्र के एक स्कूल के प्रिंसिपल ने दोस्ती के आड़ में संबंध बढ़ाने की कोशिश की और एक मौके पर नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने महिला के निजी फोटो और वीडियो बना लिए, जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर बार-बार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया।पीड़िता के विरोध करने पर प्रिंसिपल ने उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। गुरुवार को एक स्कूल कार्यक्रम में प्रिंसिपल ने महिला के साथ बदसलूकी करते हुए धक्का-मुक्की भी की, जिससे पीड़िता भयभीत हो गई और मजबूरन पुलिस का सहारा लिया। शिकायत मिलने पर बड़लियास थाना प्रभारी सिद्धार्थ प्रजापत ने आरोपी प्रिंसिपल को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने यह भी जानकारी दी कि महिला विवाहित है और आरोपी प्रिंसिपल अविवाहित, दोनों एक ही नोडल में होने के कारण लंबे समय से संपर्क में थे।

पकड़ा गया झोलाछाप डॉक्टर

गरियाबंद, (आरएनएस)। गांव-देहात में आज भी प्रशासन की आंखों में धूल झोंकते हुए झोलाछाप डॉक्टर बेधड़क काम कर रहे हैं. यह बात देवभोग तहसील के ग्राम डोंगरीगुड़ा में देखने को मिली, जहां धान जब्ती के लिए गया प्रशासनिक अमला फार्मासिस्ट के घर पर तीन कमरों में चल रहे अस्पताल को देखकर दंग रह गया. वैधानिक दस्तावेज नहीं मिलने पर तहसीलदार ने बीएमओ की मौजूदगी में अस्पताल वाले मकान को सील किया.

श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े 12 भारतीय मछुआरे

चेन्नई, (आरएनएस)। श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के निकट अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास नेदुनथीवु इलाके के पास 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। इन मछुआरों पर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार कर श्रीलंकाई इलाके में प्रवेश करने का आरोप है। यह मछुआरे तमिलनाडु के रहने वाले हैं।

तमिलनाडु प्रदेश के मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया, मछुआरों को रविवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए श्रीलंकाई नौसैनिक शिविर ले जाया गया है।श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े गए इन मछुआरों की मोटर नाव और मछली पकड़ने का साजो सामान भी जब्त कर लिया है। इसी साल 16 जून से अब तक श्रीलंकाई नौसेना ने सिर्फ तमिलनाडु के 425 मछुआरों को पकड़ा है और 58 नावों को जब्त किया है। पकड़े गए मछुआरों में लगभग 110 मछुआरे अभी भी श्रीलंका की हिरासत में हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को भी श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम से 16 तमिल मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन हुए थे।

इसके बाद मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर को पत्र लिखकर इस मामले में उनसे हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। तमिलनाडु के मछुआरों के नेता के.एम. पलानीअप्पन ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, रविवार को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 12 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी बेहद निंदनीय है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार कार्रवाई करे, क्योंकि हमारे लोग समुद्र में मछली पकड़ने से डरने लगे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई के लिए केंद्र पर दबाव डालने का भी आग्रह किया।तमिलनाडु में डीएमके, एआईएडीएमके और पीएमके सहित राजनीतिक दल श्रीलंकाई नौसेना की कार्रवाई के कारण तमिल मछुआरों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में चिंता जताते रहे हैं। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 1 अगस्त, 2023 को भी एक दुखद घटना तब घटी थी, जब श्रीलंकाई नौसेना की एक नाव कथित तौर पर एक मछली पकड़ने वाली नाव से टकरा गई। इस टक्कर से मछली पकड़ने वाली नाव पलट गई। इसमें एक मछुआरे, मलाइसामी (59) डूब कर मौत हो गई, जबकि दूसरा, रामचंद्रन (64) लापता हो गया। नाव पर सवार दो अन्य मछुआरे, मूकिया (51) और मुथु मुनियांदी (52) को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन बाद में उन्हें भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया।

29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रात बारह बजे तक श्रद्धालु निहार सकेंगे श्रीराम मंदिर की भव्य सजावट

अयोध्या (ए)। योगी सरकार इस वर्ष अयोध्या में आठवें दीपोत्सव का भव्य आयोजन कर रही है। इस अवसर पर अयोध्या नगरी को दीपों से रोशन करने और श्रीराम जन्मभूमि पर बने नव्य और भव्य मंदिर में पहली दीपावली को अविस्मरणीय बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष सरयू तट पर जहां 25 से 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है, वहीं श्रीराम मंदिर में विशेष प्रकार के दीपक जलाए जाएंगे। मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखने के लिए विशिष्ट दीपकों की व्यवस्था की है, जो लंबे समय तक प्रकाशमान रहेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की भी विशेष योजना है। मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में विभाजित कर सजावट का दायित्व सौंपा गया है। बिहार कैडर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के प्रत्येक कोने को व्यवस्थित रूप से रोशन करने, सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाने, साफ-सफाई और सजावट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे श्रद्धालु मनोहारी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे। इस दीपोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। मंदिर भवन के ढांचे को धुएं की कालिख से बचाने के लिए परिसर में विशेष मोम के दीपक जलाए जाएंगे, जिनसे कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम होगा। मंदिर ट्रस्ट का प्रयास है कि इस दीपावली में अयोध्या न केवल धर्म और आस्था का केंद्र बने, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दे।दीपोत्सव की भव्यता को श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बनाने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने मंदिर को 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक रात 12 बजे तक बाहर से भवन दर्शन के लिए खुला रखने का निर्णय लिया है।

पुत्र के साथ झगड़े में घायल बुजुर्ग की मौत

लखनऊ (ए)। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के शुकुल बाजार क्षेत्र में अपने पुत्र के साथ हुई मारपीट में घायल एक बुजुर्ग की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि शुकुल बाजार थाना क्षेत्र के महोना पश्चिम के रहने वाले 70 वर्षीय रामनाथ का शनिवार रात अपने बेटे मनोज कुमार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान हुई मारपीट में लाठी से रामनाथ को गंभीर चोटें आयीं। परिजन उसे शुकुल बाजार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये, जहां इलाज के दौरान रामनाथ की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्यारोपी बेटे की तलाश की जा रही है।

बिहार : छठ पर भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे मंडल की तैयारी, करीब 75 जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलेंगी

समस्तीपुर (ए)। उत्तर भारत के बड़े त्योहारों में शामिल दीपावली और छठ की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। इस दौरान लोगों के अपने घर जाने के दौरान रेल मार्ग का प्रयोग बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए दीपावली और छठ पर भीड़ नियंत्रण करने के लिए रेलवे मंडल भी विशेष तैयारी कर रहा है।बिहार में दीपावली और छठ पर होने वाली संभावित भीड़ के नियंत्रण के लिए रेलवे मंडल प्रशासन ने तैयारी कर ली है। रेलवे मंडल में रेलवे लाइन के किनारे 100 से अधिक स्थानों पर छठ घाट रहने के कारण अर्घ्य वाले दिन रेलवे मंडल के सभी रेलवे खंड पर 30 किलोमीटर की स्पीड में कॉशन पर ट्रेन चलाई जाएगी। इसके लिए सभी स्टेशन मास्टर, ट्रेन के गार्ड व चालक को निर्देश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही जिस खंड पर रेलवे लाइन के किनारे छठ घाट होगा उस क्षेत्र में ट्रेन के चालकों को लगातार सीटी बजाते हुए ट्रेन चलाने को कहा गया है।डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने आईएएनएस को जानकारी देते हुए बताया कि करीब 75 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा। समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा जहां पर आरक्षण के लिए यात्रियों की ज्यादा भीड़ होने की संभावना है, वहां पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पीआरएस टिकट काउंटर खोले जाएंगे।

दिल्ली में 1 नवंबर तक पानी की रहेगी कमी, ये इलाके रहेंगे प्रभावित

नई दिल्ली (ए)। यमुना नदी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने के कारण 1 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में पानी की कमी रह सकती है। दिल्ली जल बोर्ड ने इसको लेकर बड़ी जानकारी दी है। प्रभावित क्षेत्रों में पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के कुछ हिस्से और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र शामिल हैं। बोर्ड ने कहा कि दिल्ली के 110 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रतिदिन) भागीरथी जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) और 140 एमजीडी सोनिया विहार डब्ल्यूटीपी का कच्चा जल स्रोत ऊपरी गंगा नहर, मुरादनगर, उत्तर प्रदेश है।

इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा 12 से 31 अक्टूबर तक ऊपरी गंगा नहर में निर्धारित वार्षिक रखरखाव के कारण, 12 अक्टूबर की मध्यरात्रि को हरिद्वार से नहर बंद कर दी गई थी। विज्ञप्ति में आगे कहा कि इस बंद अवधि के दौरान, उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग और यूपी जल निगम बैराज, रेगुलेटर की मरम्मत और रखरखाव, विभिन्न ऑनलाइन स्टोरेज की सफाई, मुरादनगर में टैंक स्थापित करने और नाली की मरम्मत का काम करते हैं। इसके बाद, इन जल उपचार संयंत्रों को गंगा जल की आपूर्ति बंद कर दी गई है। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि जल उपचार संयंत्र अब 31 अक्टूबर तक कच्चे पानी के वैकल्पिक स्रोत के रूप में यमुना पर निर्भर हैं। लेकिन कच्चे पानी में अमोनिया की मात्रा 1.5 पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) से अधिक होने के कारण यमुना के कच्चे पानी को उपचारित करना मुश्किल है। इसलिए भागीरथी और सोनिया विहार में उत्पादन 30 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। इसके अलावा, उत्पादन पूरी तरह से यमुना में कच्चे पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा और इन संयंत्रों से उत्पादन तदनुसार अलग-अलग होगा।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का वायनाड में पार्टी नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया.

प्रदूषण से निपटने की तैयारी में दिल्ली सरकार, 10,000 सिविल डिफेंस वॉलेंटियर होंगे तैनात

नई दिल्ली (ए)। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने विभिन्न एजेंसियों में 10,000 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात करने की योजना की घोषणा की। इन स्वयंसेवकों को प्रदूषण नियंत्रण पहलों में सहायता करने के लिए नियुक्त किया जाएगा, जिससे दिल्ली की खतरनाक वायु गुणवत्ता के स्तर के खिलाफ चल रही लड़ाई को मजबूती मिलेगी, जो आमतौर पर सर्दियों के महीनों में बढ़ जाती है। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक प्रदूषण के हॉटस्पॉट की निगरानी, प्रदूषण नियंत्रण उपायों के बारे में जन जागरूकता फैलाने और प्रदूषण से संबंधित नियमों को लागू करने में सहायता जैसे कार्यों में सहायता करेंगे।

किसानों की जमीन को बता दिया था वक्फ की प्रॉपर्टी, अब कर्नाटक सरकार ने लिया यू-टर्न

बेंगलुरू (ए)। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि उन्हें जारी नोटिस वापस लिए जाएंगे और उपायुक्त इस गलती की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति में परिवर्तित करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है और अगर कोई गलती हुई है तो उसे दूर किया जाएगा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति के तौर पर चिन्हित करने के आरोप

सामने आने के बाद बवाल मच गया। कर्नाटक में वक्फ भूमि को लेकर किसानों को जारी किए गए नोटिस अब वापस लिए जाएंगे। कर्नाटक के विजयपुरा में वक्फ बोर्ड पर भूमि की हेराफेरी का आरोप सामने आया था। इसमें कहा गया था कि केवल 21 दिनों में 44 संपत्तियों का स्वामित्व हस्तांतरित करने के लिए जाली रिकॉर्ड शामिल हैं। इसके अलावा, वक्फ बोर्ड पर कर्नाटक में 1,00,000 एकड़ जमीन पर दावा करने का आरोप आया था। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि उन्हें जारी नोटिस वापस लिए जाएंगे और उपायुक्त इस गलती की जांच करेंगे।

आइजोल से स्थानांतरित होगा असम राइफल्स का मुख्यालय

आइजोल (आरएनएस)। साढ़े तीन दशक से अधिक पुराने एक मुद्दे को सुलझाते हुए मिजोरम सरकार और असम राइफल्स ने एक मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अब अर्धसैनिक बल का बटालियन मुख्यालय आइजोल से जोखावसांग में स्थानांतरित हो जाएगा जो राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। दिल्ली से लौटे मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि एमओए पर हस्ताक्षर 23 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित मिजोरम हाउस में हुए। असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय को आइजोल के मध्य से जोखावसांग में स्थानांतरित करने की मांग सबसे पहले 1988 में पूर्व मुख्यमंत्री लालडेंगा के नेतृत्व वाली तत्कालीन मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने उठाई थी, जब अर्धसैनिक बल पर हिंसक झड़प में 11 नागरिकों को मार डालने का आरोप लगा था।

बलरामपुर में 50 हजार रुपये का इनामी अपराधी गिरफ्तार

लखनऊ (ए)। उत्तर प्रदेश में बलरामपुर जिले की महराजगंज थाना पुलिस और स्वाट टीम ने सोमवार को भेड़ों की चोरी के एक आरोपी इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने बताया कि जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र में पुलिस एवं स्वाट टीम ने 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश नरेश सोनकर को गिरफ्तार किया है। अंतर्जनपदीय इनामी बदमाश सोनकर पर डकैती, हत्या का प्रयास और चोरी सहित विभिन्न धाराओं में गोंडा, श्रावस्ती एवं बलरामपुर जिलों में 17 मामले दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी पर गैंगस्टर अधिनियम लगाकर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। एसपी ने बताया कि नरेश सोनकर एवं उसके गिरोह द्वारा महाराजगंज तराई क्षेत्र के शिवनगर नहर के पास से 50 भेड़ों की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा आज गिरोह के मुख्य सरगना नरेश सोनकर निवासी खटकी पुरवा जनपद श्रावस्ती को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का 11 जोड़ी बिछुआ, चार अंगूठी आदि बरामद किये गये हैं। एसपी ने कहा कि मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रुद्रप्रयाग के उखीमठ में केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव से पहले पार्टी उम्मीदवार आशा नौटियाल के नामांकन पत्र में शामिल हुए।

सोनम बाजवा ने शेयर की अपने हेल्दी नाश्ते की तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम बाजवा ने बॉलीवुड में अपनी पहचान एक फिटनेस फ्रीक की बनाई है। वह अक्सर अपनी फिटनेस से जुड़ी चीजें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। शनिवार को उन्होंने सेहतमंद नाश्ते की फोटो अपने फैंस के साथ शेयर की।

सोनम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने नाश्ते की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एवोकाडो, स्टीम्ड ब्रोकली और स्क्रैम्बल्ड एग्स रखे हुए थे।

इसके बाद उन्होंने पहाड़ों से घिरे जंगल में एक केबिन की तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इस पोस्ट में कैप्शन देते हुए लिखा यह। इसमें उन्होंने पीले दिल वाली इमोजी भी लगाई। साथ ही इस पोस्ट के बैकग्राउंड में एमिली वॉट्स का गाना ला वी एन रोज भी बजता सुनाई दे रहा है।

बता दें कि सोनम को आखिरी बार राकेश धवन द्वारा निर्देशित फिल्म कुड़ी हरियाणे वल दी में देखा गया था। इस फिल्म में एमी विर्क ने भी अभिनय किया था। इस फिल्म में एक पंजाबी आदमी की कहानी को दिखाया गया है। इस आदमी को कुश्ती में दिलचस्पी नहीं है, लेकिन वह एक ऐसी हरियाणवी महिला के प्यार में पड़ जाता है जो इस खेल के लिए जुनूनी है। वह कुश्ती के प्रति उसके प्यार को अपनाने और उसका दिल जीतने की कोशिश करता है। ज्ञात हो कि सोनम हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कई स्टार कलाकार हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित इस फिल्म में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार होंगे। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में चंकी पांडे फिर से एक बार अपनी हास्य भूमिका में नजर आएंगे। 'हाउसफुल 5' की शूटिंग 15 सितंबर से लंदन में शुरू हो चुकी है। लंदन में इस फिल्म के शुरुआती 45 दिनों की शूटिंग होगी। फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। गौरतलब है कि 'हाउसफुल' सीरीज की पहली फिल्म 2010 में लॉन्च हुई थी और तब से इसके तीन सफल सीक्वल आ चुके हैं: 2012 में 'हाउसफुल 2', 2016 में 'हाउसफुल 3' और 2019 में 'हाउसफुल 4'। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। वो आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

भूल भुलैया 3 के नए पोस्टर में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ दिखीं माधुरी दीक्षित

भूल भुलैया 3 का टीजर और गाना जब से जारी हुआ है, तभी से कार्तिक आर्यन की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस साल दिवाली पर रिलीज होने के लिए तैयार कार्तिक आर्यन ने माजुलिकाओं के साथ अपनी लड़ाई को दिखाते हुए एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसपर प्रशंसक लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कार्तिक ने पोस्टर साझा किया, जिसमें आप माधुरी दीक्षित और विद्या बालन को अभिनेता को गले से पकड़े हुए देख सकते हैं। कार्तिक के चेहरे से साफ जाहिर हो रहा है कि उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कार्तिक ने अपनी इस नए पोस्टर के साथ लिथा, रूह बाबा बनाम मंजुलिका। लड़ाई तेज हो जाती है, जैसे ही अंतिम उलटी गिनती शुरू होती है, सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 1 नवंबर को सिनेमाघरों में पारिवारिक मनोरंजन का अनुभव करें।

कार्तिक ने जैसे ही सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म भूल भुलैया 3 का नया पोस्टर साझा किया तुरंत फैंस ने प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी।

मृणाल ठाकुर ने रिवीलिंग गाउन में ढाया कहर, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स के छूटे पसीने

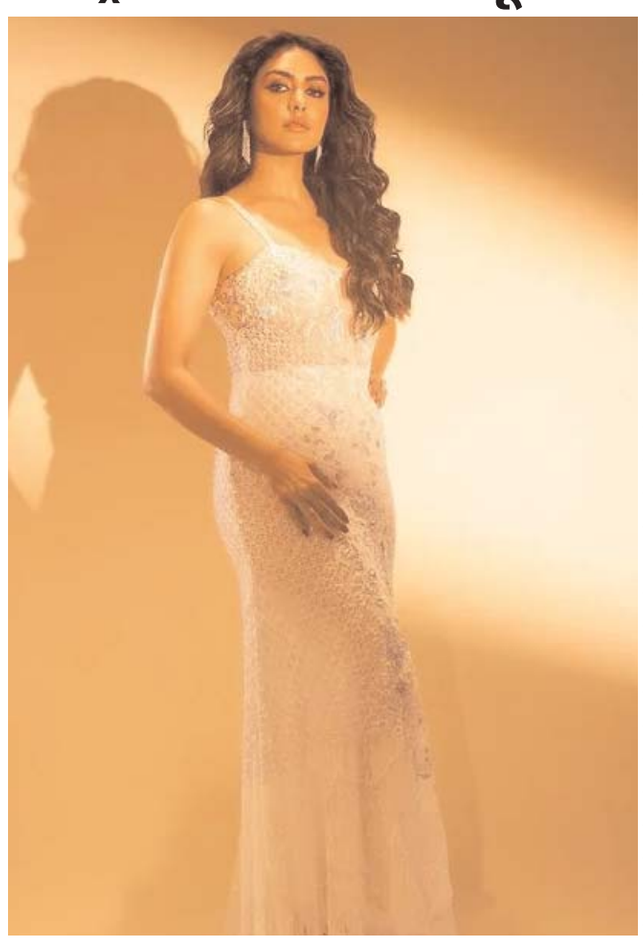

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज किसी भी पहचान की मोहतजा नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने बतौर टीवी एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री में से एक हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर उनकी अदाओं को देखकर लट्टू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने गोल्डन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।मृणाल ठाकुर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बेहद खूबसूरत लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट।

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 का धमाका, रिलीज से पहले ही कर ली है 1085 करोड़ की कमाई

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 : द रूल इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. पुष्पराज के रोल में अल्लू अर्जुन का फैंस बहुत ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसी के साथ फिल्म अपने प्री-रिलीज बिजनेस को लेकर भी चर्चा में है. ये फिल्म रिलीज से पहले ही 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है.

सैकनिल्क ने रिपोर्ट्स के हवाले से बताया है कि पुष्पा 2 के थिएट्रिकल राइट्स को 640 करोड़ में बेचा गया है. इस मोस्ट अवेटेड फिल्म ने अपने स्ट्रीमिंग राइट्स में भी बंपर कमाई की है. पुष्पा 2 के डिजिटल राइट्स नेटफ्लिक्स ने 275 करोड़ में खरीदे हैं.पुष्पा 2 सिनेमाघरों में 5 दिसंबर को रिलीज होगी. रिलीज से पहले प्री-बिजनेस में फिल्म ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 220 करोड़ की कमाई कर ली है.वहीं, उत्तर भारत में 200 करोड़, तमिलनाडु में 50 करोड़, कर्नाटक में 30 करोड़, केरल में 20 करोड़ और इंटरनेशनल मार्केट में 140 करोड़ कमाए हैं. पुष्पा 2 ने म्यूजिक राइट्स से भी की है बंपर कमाईअल्लू अर्जुन की इस फिल्म के म्यूज़िक राइट्स 65 करोड़ में बिके हैं. वहीं सैटेलाइट राइट्स से भी मेकर्स ने 85 करोड़ कमाए हैं. इस फिल्म ने अपने नॉन-थियेट्रिकल राइट्स से 425 करोड़ कमाए हैं.पुष्पा 2 को सुकुमार ने डायरेक्शन किया है और ये माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस करने गई है. फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य किरदार में हैं. फिल्म का म्यूजिक टी-सीरीज ने दिया है. ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि इस बार अभिनेत्री श्रद्धा कपूर भी आइटम सॉन्ग करती दिखेंगी.आपको बता दें कि पुष्पा: द राइज 2021 में थिएटर्स में रिलीज हुई थी. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कब्जा किया था और 300 करोड़ का कलेक्शन कर डाला था. इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन को नेशनल अवॉर्ड भी मिल चुका है. पुष्पा: द राइज में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आई थीं. फिल्म में सामंथा रूथ प्रभु और फहाद फासिल ने भी अहम रोल निभाए थे. फिल्म का डायलॉग झुकेगा नहीं साला भी बहुत पॉपुलर हुआ था. अब फैंस को इस फिल्म के दूसरे पार्ट पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार है.

अजय देवगन की सिंघम अगेन ने कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 को पछाड़ा, दोनों फिल्मों की ओवरसीज बुकिंग शुरू

अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इस बीच देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी फिल्म बेहतर प्रदर्शन करती है. दोनों ही फिल्म ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी हैं और दोनों ही फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बीच हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर एडवांस बुकिंग में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 कैसा प्रदर्शन कर रही है. आइए जानते हैं दोनों फिल्मों की एडवांस बुकिंग. दिवाली के मौके पर दोनों फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं. दोनों फिल्में अच्छी खासी चर्चा बटोर रही है दोनों फिल्मों के ट्रेलर को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और अब फिल्में बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत करने के लिए तैयार हैं. खैर ये तो रिलीज होने के बाद पता चलेगा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्में कैसा प्रदर्शन कर रही हैं. फिलहाल फिल्मों की ओवरसीज बुकिंग शुरू हो गई है जिससे हमें ये तो पता चल गया है कि कौन सी फिल्म आगे है. अजय देवगन और कार्तिक आर्यन की फिल्मों की ओवरसीज एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है. रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित अपकमिंग पुलिस ड्रामा अपने ने अपने

आई एनर्जी ट्रेलर के साथ दर्शकों को इंप्रेस किया है. जिससे इसे 'भूल भुलैया 3' पर बढ़त मिली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक 'सिंघम अगेन' के लिए यूएई में एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है, जिससे लोगों में अच्छी दिलचस्पी पैदा हुई है. स्पेशली प्री-सेल्स में 'भूल भुलैया 3' की तुलना में सिंघम अगेन ने लगभग 84 प्रतिशत से ज्यादा कमाई की है. बताया गया है कि अजय देवगन स्टारर इस फिल्म ने वीओएक्स सिनेमा में 64 शो से 6.6 लाख रुपये की प्री-सेल की है, जिसमें अब तक लगभग 505 टिकटें बिक चुकी हैं. यह फिल्म के लिए एक अच्छी शुरुआत है और रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ इसमें और बढ़त होने की उम्मीद है. इस बीच, अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया प्री-सेल्स रेस में पीछे चल रही है, जिसने यूएई के वॉक्स सिनेमा में 64 शो में 269 टिकट बेचकर 3. 59 लाख रुपये कमाए हैं।

सिंघम अगेन कथित तौर पर एडवांस बिक्री में भूल भुलैया 3 से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जिसमें कुल मिलाकर 84त्न ज्यादा प्री-सेल्स है. स्पेशली टिकट्स सेलिंग में. सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को रिलीज किया गया और इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है.रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों की भरमार है वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित लीड रोल में हैं. वहीं तृप्ति डीमरी, विजय राज जैसे कलाकार खास रोल प्ले कर रहे हैं।

दिवाली पर उठेगा कुबेर की रिलीज डेट से पर्दा, निर्माताओं ने खास एलान के लिए तैयार किया प्रोमो वीडियो

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसकी रिलीज डेट को लेकर है।फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है और फिल्म मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म को लेकर ताजा खबर यह है कि कुबेर की रिलीज की तारीख की घोषणा अगले सप्ताहांत, दिवाली 2024 पर की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माताओं ने घोषणा के लिए एक खास प्रोमो तैयार किया है। फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

रोजाना फूलगोभी खाने से हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां, जानें इसके साइड इफेक्ट्स

आजकल सब्जी मंडी में ताजी फूलगोभी आने लगी है. फूलगोभी कई विटामिनों से भरपूर होती है और सेहत के लिए फायदेमंद होती है. फूलगोभी में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं. फूलगोभी में विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. हालांकि, रोजाना फूलगोभी खाने से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है. इसलिए कुछ लोगों को फूलगोभी खाने से मना किया जाता है. फूलगोभी खाने से पेट फूलना, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. जानिए किन लोगों को फूलगोभी नहीं खानी चाहिए?

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए फूलगोभी:

गैस और सूजन की समस्या- जिन लोगों को अक्सर खान-पान की वजह से गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है. उन्हें फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए. फूलगोभी में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो पाचन से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है. फूलगोभी की सब्जी या पराठा खाने के बाद आपको गैस और सूजन की समस्या हो सकती है. इसलिए फूलगोभी का सेवन न करें.

थायराइड में फूलगोभी न खाएं-

अगर आपको थायरॉइड की समस्या है तो फूलगोभी न खाएं. इससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है. फूलगोभी खाने से थायरॉइड ग्रंथि की आयोडीन इस्तेमाल करने की क्षमता कम हो जाती है. इससे परेशानी हो सकती है. फूलगोभी खास तौर पर ञ्च3 और ञ्च4 हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती है. इसलिए थायरॉइड के मरीजों को फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए.

पथरी होने पर फूलगोभी न खाएं

- पथरी होने पर भी फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए. यह नुकसानदायक हो सकता है. खासकर अगर आपके पित्ताशय और किडनी में पथरी है तो आपको फूलगोभी खाने से बचना चाहिए. फूलगोभी में कैल्शियम होता है जो पथरी की समस्या को बढ़ा सकता है.

ब्लड क्लॉटिंग की समस्या होने पर

- अगर आपको ब्लड क्लॉटिंग की समस्या है तो फूलगोभी का सेवन बिल्कुल न करें. फूलगोभी में पोटैशियम की मात्रा बहुत अधिक होती है जो शरीर में खून को गाढ़ा कर सकता है. इसलिए फूलगोभी का सेवन सीमित करें या बिल्कुल न खाएं.

प्रेग्नेंसी में फूलगोभी न खाएं -

प्रेग्नेंसी में भी आपको फूलगोभी का सेवन करने से बचना चाहिए. इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. खासकर प्रेग्नेंसी में इससे गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए फूलगोभी से परहेज करना जरूरी है.

लगातार हो रही है बलगम वाली खांसी? ये घरेलू नुस्खे आ सकते हैं काम

अगर आपको खांसी और/या बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ हो रही है. तो आपको छाती में इंफेक्शन या निमोनिया हो सकता है. सांस लेने में समस्या के कम आम कारण हैं फेफड़ों का कैंसर, फेफड़ों में खून का थक्का जमना, फेफड़ों के आसपास हवा का रिसाव और फेफड़ों के सेल्स पर निशान पड़ना. आदि शामिल हो सकता है. लगातार होने वाली खांसी ओवरऑल हेल्थ के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिसके जरिए आप खांसी से निजात पा सकते हैं:

सूप और हॉट ड्रिंक पिएं:

चाय या शोरबा जैसे बहुत सारे तरल पदार्थ पीने से आपके गले में बलगम पतला हो सकता है.

गर्म नमक के पानी से गरारे करें:

गर्म नमक के पानी से गरारे करने से सूखे गले को नमी मिलती है.

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें:

ह्यूमिडिफायर हवा में नमी लाता है, जिससे सूखी खांसी से राहत मिलती है.

स्टीम लें: भाप बलगम की रुकावट को दूर करने और आपके वायुमार्ग को खोलने में मदद कर सकती है.

शहद आज़माएं: एक चम्मच शहद खांसी को कम करने में मदद कर सकता है.

खांसी की दवा या हार्ड कैंडी चूसें: ये सूखी खांसी को कम करने और गले की जलन को शांत करने में मदद कर सकते हैं.

हर्बल चाय पिएं: पुदीना, अदरक, स्लिपरी एल्म, थाइम, हल्दी या मार्शमैलो रूट से बनी हर्बल चाय मदद कर सकती है.

मुलेठी आज़माएं: मुलेठी की जड़ की चाय अतिरिक्त बलगम को हटाने में मदद कर सकती है और यह एक प्राकृतिक सूजन-रोधी है।

गर्म पानी में नींबू मिलाएं: गर्म पानी में नींबू की कुछ बूँदें गले के दर्द को कम कर सकती हैं।

प्रोबायोटिक्स या ब्रोमेलैन सप्लीमेंट लें: इस बात के कुछ प्रमाण हैं कि ये सप्लीमेंट खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं. अगर आपकी खांसी बनी रहती है, तो आपको अपने लक्षणों का कारण जानने और सबसे अच्छा इलाज खोजने के लिए डॉक्टर से मिलना चाहिए।

चुनावी रैली में ट्रंप और उनकी पत्नी ने किया डांस, समर्थकों में दिखा उत्साह

वाशिंगटन, (ए)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार दिन ब दिन तेज होता जा रहा है। इस माहौल में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन में चुनावी रैली के दौरान मंच पर उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी मौजूद थीं। ट्रंप ने जहां अपनी पत्नी के साथ डांस किया, वहीं मेलानिया ने उन्हें अमेरिका का जादू कहकर रैली में चार चांद लगा दिए। रैली में मौजूद भीड़ ने ट्रंप और मेलानिया के इस जोशीले प्रदर्शन का आनंद लिया और जमकर नारेबाजी भी की।

मेलानिया ने रैली में अपने पति का स्वागत करते हुए समर्थकों से बातचीत भी की। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और किस किया। अचानक बजने वाले संगीत पर ट्रंप खुद को डांस करने से रोक नहीं पाए और पूरे जोश में समर्थकों का अभिवादन किया। इस रैली में आरएफके जूनियर, तुलसी गबार्ड, एलन मस्क, टकर कार्लसन, और हल्क होगन जैसे खास मेहमान भी पहुंचे थे। न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर ट्रंप और अन्य चर्चित हस्तियों को देखने के लिए हजारों प्रशंसक मौजूद थे।

राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों ही लोकप्रियता के मामले में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वे के मुताबिकक 47 फीसदी मतदाता डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैरिस का समर्थन कर रहे हैं जबकि 47 फीसदी रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप का साथ दे रहे हैं। व्हाइट हाउस की इस जंग को जीतने के लिए उम्मीदवार को कुल 270 चुनावी मत हासिल करने होंगे।अमेरिका के सात प्रमुख राज्य, जिनमें जॉर्जिया, मिशिगन, एरिज़ोना, पेंसिल्वेनिया, नॉर्थ कैरोलिना, विस्कॉन्सिन, और नेवाडा शामिल हैं, चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। इन राज्यों में समर्थन हासिल करने की कोशिश में दोनों उम्मीदवार कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की बढ़ी टेंशन, नए अकाउंट को एक्स ने किया सस्पेंड

तेहरान, (आरएनएस)। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हिब्रू भाषा में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खोले गए नए अकाउंट को सिर्फ दो पोस्ट के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। रविवार को खामेनेई ने अपने नए अकाउंट से पोस्ट लिखा, इजरायल शासन ने गलती की और ईरान के संबंध में अपनी गणना में गलती की। हम उसे समझाएंगे कि ईरानी राष्ट्र के पास क्या शक्ति, क्षमता, पहल और इच्छा है। इससे पहले खामेनेई के अकाउंट से हिब्रू भाषा में यह पहली पोस्ट शनिवार को आई थी, जिसमें लिखा था, दयालु अल्लाह के नाम पर। बता दें कि ये दोनों पोस्ट पिछले हफ्ते ईरान के सैन्य ठिकानों पर इजराइल के हमले के बाद आए थे। इसके बाद इस अकाउंट को एक्स ने सस्पेंड कर दिया है।

लश्कर-ए-इस्लाम ने खैबर पख्तूनख्वा में मचाया आतंक

फ्रंटियर कोर की चेक पोस्ट पर किया हमला

पेशावर,(आरएनएस)। पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में फ्रंटियर कोर की एक चेक पोस्ट पर हमला हुआ है। फ्रंटियर कोर की एक चेक पोस्ट पर हुए हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी है। हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-इस्लाम ने ली है। पुलिस के मुताबिक हमला रविवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले की तिराह घाटी में एफसी चेक पोस्ट पर हुआ था।

लश्कर-ए-इस्लाम एक देवबंदी जिहादी आतंकवादी समूह है जो पाकिस्तान के खैबर जिले और अफगानिस्तान के पड़ोसी नांगरहार प्रांत में सक्रिय है। इसी साल 25 अप्रैल को लश्कर-ए-इस्लाम के सरगना हाजी अकबर अफरीदी को खैबर जिले के बारा इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया था। लश्कर-ए-इस्लाम अपने आतंकी गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इस संगठन का इतिहास विभिन्न समुदायों को धमकाने और डर पैदा करने का रहा है। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, खैबर पख्तूनख्वा में पहले भी जवानों को निशाना बनाकर हमले होते रहे हैं। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की एक चौकी पर हमला किया था। आतंकियों के इस हमले में 10 जवान मारे गए थे और तीन अन्य घायल हुए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया था कि डेरा इस्माइल खान जिले के दाराबान इलाके में जांच चौकी पर हमले के बाद हुई मुठभेड़ में ये सभी जवान मारे गए थे। काबुल में 2021 में तालिबान की सरकार बनने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाओं में इजाफा हुआ है।

ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की बिगड़ी तबीयत

-अस्पताल में होंगी भर्ती

दुबई, (ए)। जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को ईरान के अधिकारियों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराने की अनुमति दे दी है। मोहम्मदी करीब नौ सप्ताह से बीमार थीं। सामाजिक कार्यकर्ता के बारे में एक संगठन की ओर से यह जानकारी दी गई है। 'फ्री नार्जेस कोलिशन' की तरफ से एक बयान में कहा गया था कि मोहम्मदी को इलाज के लिए 'चिकित्सकीय फरलो' प्रदान किया जाना चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि महीनों तक उनकी उपेक्षा और देखभाल के अभाव के कारण यह गंभीर स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हुई है। मोहम्मदी को ईरान की एविन जेल में रखा गया है, जहां राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से जुड़े लोगों को रखा जाता है। वह पहले से ही 30 महीने की सजा काट रही थीं, जनवरी में उनकी सजा में 15 महीने और जोड़ दिए गए थे। ईरान के अधिकारियों ने शनिवार को उनके खिलाफ छह महीने की अतिरिक्त सजा जारी की, उनके लिए यह अतिरिक्त सजा इसलिए जोड़ी गई क्योंकि उन्होंने छह अगस्त को एविन जेल के महिला वार्ड में एक अन्य राजनीतिक कैदी की फांसी की सजा का विरोध किया था। नरगिस मोहम्मदी हृदय रोग से पीड़ित हैं और सितंबर में जारी हुई उनकी मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उनके हृदय की मुख्य धमनी में फिर से गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो गई हैं। संगठन की ओर से कहा गया है कि वह मोहम्मदी की बिना शर्त रिहाई और उन्हें पूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग करते रहेंगे। नरगिस मोहम्मदी को साल 2021 में ईरानी सरकार के आदेश पर गिरफ्तार किया गया था। मोहम्मदी महिलाओं पर कई तरह की प्रतिबंध को लेकर ईरान सरकार की मुखर रही हैं। वो महिलाओं के अधिकारों, खासकर हिजाब के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौत: फलस्तीनी अधिकारी

गाजा(ए)। उत्तरी गाजा पर इजराइल के हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार रात बेत लाहिया में हुई, जहां कई मकानों और इमारतों पर हवाई हमले किए गए। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले तीसरे सप्ताह भी जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय आपदा की स्थिति बन गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने चरमपंथियों पर हमला किया और नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाए। हालाँकि, उसने हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की और मीडिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को गलत बताया। इस बीच, उत्तरी तेल अविव में एक ट्रक ने बस स्टॉप से टकराकर कई लोगों को घायल कर दिया, जिसकी

जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।गाजा में जारी संघर्ष के कारण हाल के महीनों में विस्थापन की लहर तेज हो गई है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों फलस्तीनी गाजा सिटी छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इजराइल लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला के साथ भी संघर्ष जारी है।इजराइल ने हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं, जिसका दावा किया गया है कि यह ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब है।ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ईरानी लोगों की इच्छाशक्ति और ताकत के बारे में इजराइली शासन को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस संकट के दौरान, रेड क्रॉस ने उत्तरी गाजा की स्थिति को भयावह बताया है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 इजराइलियों की हत्या की गई थी, जबकि इजराइल की जवाबी कार्रवाई में 42,000 फलस्तीनी मारे गए हैं। यह स्थिति दोनों पक्षों के बीच युद्ध की आशंका को और बढ़ा रही है।

तोक्यो जा रहा था सिंगापुर एयरलाइंस का विमान, आसमान में टूटा विंडशील्ड

सिंगापुर,(आरएनएस)। सिंगापुर एयरलाइंस की सोमवार को तोक्यो जाने वाली उड़ान का विंडशील्ड टूटने के बाद विमान को ताइवान की राजधानी ताइपे की ओर मोड़ दिया गया। उड़ान संख्या एसक्यू636 में 249 यात्री और चालक दल के 17 सदस्य सवार थे। उड़ान ने रविवार को रात 11 बजकर सात मिनट पर चांगी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और उसे सोमवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर जापान के हानेडा हवाई अड्डे पर उतरना था। खबर के अनुसार, उड़ान के बीच में विंडशील्ड टूटने के कारण बोइंग 777-300ईआर विमान को ताइपे के ताओयुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। खबर के मुताबिक, सिंगापुर एयरलाइंस के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया कि विमान हवाई अड्डे पर 'बिना किसी बाधा के' उतर गया। उड़ान संख्या का नंबर बदल दिया गया और विमान रात साढ़े आठ बजे ताइपे से तोक्यो के लिए रवाना होगा। प्रवक्ता ने बताया कि विमान करीब 18 घंटे की देरी से सोमवार देर रात 12.30 बजे हनेडा हवाई अड्डे पर उतरेगा। सिंगापुर एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया, एसआईए सभी प्रभावित ग्राहकों से हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से माफी मांगता है।

भारत में खत्म हुई जो बीमारी पाकिस्तान में बनी महामारी

इस्लामाबाद, (ए)। भारत ने जिस बीमारी पर पहले ही काबू पा लिया है पाकिस्तान अब भी उससे संघर्ष कर रहा है। यह बीमारी है पोलियो। पाकिस्तान में पोलियो के नए मामले सामने आने के बाद शरीफ सरकार ने देशभर में सोमवार को नया टीकाकरण अभियान शुरू किया है ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके।

जेलेंस्की ने कहा- पीएम मोदी ही हैं जो शांति स्थापित करा सकते हैं

कीव,(ए)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शांति की उम्मीद जताई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी ऐसा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारतीय पीएम ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से संपर्क साधने की भी अपील की है। वह चाहते हैं कि मोदी 1000 यूक्रेनी बच्चों को रूस से वापस यूक्रेन लाने में मदद करें। उन्होंने कहा, यह यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों के लिए तीसरी मुश्किल सर्दियां हैं। हम चरणबद्ध तरीके से हमारे एनर्जी सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं और रूस को हमारे लोगों को मारने नहीं देंगे। उन्होंने रूस में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर भी सवाल उठाए और असफल करार दिया। उन्होंने कहा, पुतिन दुनिया को तथाकथित वेस्ट प्लस और ब्रिक्स प्लस में बांटना चाहते हैं। यहां तक कि ब्राजील और चीन के प्रस्ताव भी उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं।

खेल समाचार

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान के कोच पद से दिया इस्तीफा

-जेसन गिलेस्पी को मिली ये जिम्मेदारी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। हाल ही में अपने घर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम को टेस्ट सीरीज में हराने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया और फिर जिम्बाब्वे का दौरा करना है।इन अहम दौरों से पहले पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका लगा है।दरअसल, टीम के मुख्य कोच गैरी कस्टर्न ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। वह इसी साल टीम के वनडे और टी-20 कोच नियुक्त किए गए थे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कस्टर्न की जगह पर जेसन गिलेस्पी को ये जिम्मेदारी सौपीं है। बता दें कि इससे पहले गिलेस्पी सिर्फ टेस्ट टीम के कोच के रूप में पाकिस्तानी टीम से जुड़े थे।पीसीबी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा, जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे। गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कस्टर्न और पाकिस्तान के खिलाड़ियों व बोर्ड के बीच गंभीर मतभेद रहे। दरअसल, कस्टर्न ने डेविड रीड को हाई परफॉरमेंस कोच नियुक्त करने का पीसीबी से अनुरोध किया था।पीसीबी ने उनकी बात को नहीं माना और इसके बदले में वैकल्पिक सुझाव दिए, जो कर्स्टन को स्वीकार्य नहीं थे। ऐसे में बोर्ड और कोच के बीच रिश्ते सही नहीं थे और कस्टर्न ने खुद को इस जिम्मेदारी से अलग करने का फैसला किया।

कर्स्टन के साथ-साथ टेस्ट टीम के कोच जेसन गिलेस्पी के भी पीसीबी के साथ मतभेद चल रहे हैं।दरअसल, बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की हार के बाद अपने कोचों से टीम के चयन के अधिकार छीन लिए थे।पीसीबी के चयन समिति में अब कोच को कोई भी दखल नहीं है।ऐसे में गिलेस्पी ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान अपनी निराशा जाहिर की थी।

कस्टर्न को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोचिंग का खूब अनुभव है। उनके कार्यकाल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट टीम ने 2011 में खेला गया वनडे विश्व कप जीता था।वह इंडियन प्रीमियर लीग में भी कई टीमों के कोच रह चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कस्टर्न ने 101 टेस्ट में 45.27 की औसत से 7,289 रन बनाए थे। उन्होंने 185 वनडे में 40.95 की औसत के साथ 6,798 रन अपने नाम किए थे।

न्यूजीलैंड से हारने के बाद बीसीसीआई ने लिया एक्शन, वीवीएस लक्ष्मण बने हेड कोच

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने के पहले सप्ताह में ही साउथ अफ्रीका के लिए रवाना होना है. जहां, भारत और अफ्रीकी टीम के बीच टी-20 सीरीज खेली जाने वाली है. इस सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से होगी. इससे पहले एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि इस दौरे पर टीम के साथ बतौर हेड कोच गौतम गंभीर नहीं बल्कि वीवीएस लक्ष्मण जाने वाले हैं. भारतीय टीम के साथ साउथ अफ्रीका दौरे पर बतौर हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण को भेजा जाने वाला है. हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. मगर, खबरों की मानें, तो 8 नवंबर से शुरू होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया की जिम्मेदारी बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय दिग्गज वीवीएस के हाथों में सौंपी है.बेंगलुरु में एनसीए में काम करने वाले कर्मचारी और अन्य कोच, जैसे साईराज बहुतुले, हृषिकेश कानिटकर और सुभदीप घोष, लक्ष्मण

के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे. बहुतुले (हेड कोच), कानिटकर (बल्लेबाजी कोच) और घोष (फील्डिंग कोच) इंडिया इमर्जिंग टीम का हिस्सा थे, जिसने ओमान में आयोजित एशिया इमर्जिंग कप टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

अब आपके मन में सवाल आ रहा होगा कि आखिर गौतम गंभीर को साउथ अफ्रीका दौरे पर क्यों नहीं भेजा जा रहा है? असल में, भारत को अगले महीने की 10 तारीख के आस-पास बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होना है. टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने के बीच गंभीर का साउथ अफ्रीका जाना संभव ही नहीं है. इसलिए बोर्ड ने वीवीएस लक्ष्मण को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम के साथ वहां भेजने का फैसला लिया होगा।

टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी. पहला मैच 8 नवंबर को डरबन में खेला जाएगा, वहीं दूसरा मैच 10 नवंबर को खेला जाएगा. तीसरा और चौथा टी20 मैच क्रमश: 13 और 15 नवंबर को खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जीतेश शर्मा, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजय कुमार, आवेश खान, यश दयाल।

शमी के नहीं होने के बाद भी भारतीय गेंदबाजी काफी मजबूत, हल्के में नहीं लेगी ऑस्ट्रेलिया : मैकडोनाल्ड

सिडनी (ए)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि अगले माह होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी नहीं खेलेंगे पर इसके बाद भी भारतीय गेंदबाजी आक्रमक को कमजोर नहीं माना जा सकता है। मैकडोनाल्ड के अनुसार भारतीय टीम के पास जो रिजर्व तेज गेंदबाज हैं। वे भी काफी अच्छे हैं। कोच के अनुसार पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की कमी खलेगी पर उनकी जगह लेने वाले कई अच्छे गेंदबाज हैं। गौरतलब है कि शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण गत वर्ष हुए एकदिवसयी विश्व कप फाइनल के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। उनका सर्जरी भी हुई थी जिसके बाद वह अभी तक फिट नहीं हो पाये हैं। अभी वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

सबसे खतरनाक 5 विदेशी स्पिनर्स, जिन्होंने भारत में आकर टीम इंडिया का छीना चैन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय पिचों पर स्पिनर्स का जलवा देखने को मिलता है. इसलिए हमारे पास दुनिया के टॉप स्पिन गेंदबाज मौजूद हैं, जिनकी फिरकी में फंसकर अच्छे-अच्छे बल्लेबाज भी अपना विकेट गंवा देते हैं. लेकिन, आज हम आपको कुछ ऐसे विदेशी स्पिन गेंदबाजों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने भारत में आकर भारतीय बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है. यकीन मानिए इन स्पिनर्स ने टीम इंडिया के बल्लेबाजों को एक-एक रन के लिए तरसा दिया। जब भी भारत में आकर प्रदर्शन करने वाले स्पिनर्स की बात होगी, तो उसमें न्यूजीलैंड के एजाज पटेल का नाम जरूर आएगा. वह 2021 में कीवी टीम के साथ भारत दौरे पर आए थे. मुंबई में खेले गए टेस्ट मैच में उन्होंने इतिहास रचते हुए एक पारी में 10 विकेट झटक लिए थे. वह एक पारी में 10 विकेट लेने वाले दुनिया के तीसरे गेंदबाज बने. एजाज ने अकेले 47.5 ओवर में 119 रन देकर सभी 10 विकेट अपने नाम किए थे. हालांकि, उनके इस खतरनाक प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम ने मुंबई में जीत हासिल करते हुए न्यूजीलैंड को धूल चटाई थी. न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज मिचेल सैंटनर ने हाल ही में भारत के होश उड़ाए. उन्होंने पुणे में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में कमाल की गेंदबाजी की, हां पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 6 विकेट झटक लिए. उन्होंने अकेले ही मानो भारतीय बल्लेबाजों का सफाया करते हुए 13 विकेट झटक लिए. उनकी इस विकेटचटकाऊ गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई और टीम इंडिया मैच गंवा बैठी. जनवरी 2024 में भारत दौरे पर आई इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पहले ही मैच में भारत को हरा दिया था. उस मैच में इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज टॉम हार्टली ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था।

सेंटनर ने भारतीय बल्लेबाजों की पोल खोली : साइमन डूल

पुणे (ए)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने कहा है कि भारतीय टीम की हार के लिए उसके बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ा कारण रहा है। डूल के अनुसार भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में असफल रहे। भारतीय बल्लेबाज बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के सामने बेबस दिखे। सेंटनर ने दूसरे टेस्ट में 13 विकेट विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'यह धारणा गलत साबित हुई है कि भारतीय बल्लेबाज स्पिन के बेहतर खिलाड़ी हैं, सेंटनर ने उनकी पोल खोल दी है। मुझे लगता है कि उनके पास बेहतर स्पिनर हैं जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा देते हैं।

डूल ने कहा कि न्यूजीलैंड का स्पिन आक्रमण विश्व स्तरीय नहीं है और उनके सामने भारतीय बल्लेबाजों का कमजोर प्रदर्शन उनके लिए चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको इस तरह के अच्छे विकेटों पर खेलने की आदत हो जाएगी। लेकिन जब पिच टर्न लेना शुरू करती है तो आपकी कमजोरी सामने आ जाती है। भारत लंबे समय तक टर्निंग विकेट पर खेलता रहा है। उसके पास अब भी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के रूप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। डूल ने कहा, 'उनके गेंदबाज अन्य टीमों को कम स्कोर पर आउट करने में सक्षम हैं पर इस टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया जबकि हमारी टीम के पास विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण नहीं है। इसलिए यह भारत के लिए किसी हद तक चिंता का विषय होगा।

इस सीरीज में अनुभवी बल्लेाज कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है तथा यह अनुभवी बल्लेबाज अभी तक चार पारियों में तीन बार स्पिन गेंदबाजों का शिकार बना। डूल ने हालांकि विराट की खराब फॉर्म को लेकर ज्यादा अटकलें लगाने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'स्पिन के खिलाफ कुछ मुद्दे हैं लेकिन वह अकेला बल्लेबाज नहीं है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से नहीं खेल पाया। ऑस्ट्रेलिया में आपको इस तरह के विकेट नहीं मिलेंगे और वहां कोहली अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कुश्ती: चिराग चिक्कारा ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नईदिल्ली,,(आरएनएस)। बीते रविवार (27 अक्टूबर) को भारत के पहलवान चिराग चिक्कारा ने अल्बानिया के तिराना में स्वर्ण पदक जीतने का कारनामा किया। उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप कुश्ती में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के अब्दिमलिक कराचोव को नजदीकी मुकाबले में 4-3 से हराया।इसके साथ ही 18 वर्षीय चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान बन गए हैं।

चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले पहलवानों की विशेष सूची में शामिल हो गए।उनसे पहले पुरुषों में अमन सहरावत यह कारनामा कर चुके हैं। बता दें कि अमन ने 2022 में तुर्की के अहमत दुमन को 12-4 से हराते हुए इतिहास रचा था। पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता अमन के बाद महिलाओं में रीतिका हूडा ने 2023 में अंडर-23 विश्व चैंपियन बनी थी। वह महिलाओं में यह खिताब हासिल करने वाली पहली पहलवान है।

चिराग ने इससे पहले सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के एलन ओरलबेक को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उन्होंने विपक्षी पहलवान को कोई मौका नहीं दिया और 8-0 से जोरदार जीत दर्ज की थी।

पाक के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, नहीं चुना कोई कप्तान

नईदिल्ली, (ए)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 14 नवंबर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज की मेजबानी करनी है।3 मैचों की इस सीरीज के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी टीम की घोषणा की है। 13 सदस्यीय टीम में जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन की वापसी हुई है। दिलचस्प रूप से सीए ने इस टीम के कप्तान का चुनाव नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलिया को 22 नवंबर से भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की मेजबानी करनी है। इस सीरीज को ध्यान में रखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम के खिलाड़ियों को टी-20 टीम में जगह नहीं दी है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे हालिया टी-20 कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड उपलब्ध नहीं हैं, साथ ही पैट कमिंस भी सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में कोई नया ऑस्ट्रेलियाई कप्तान नजर आ सकता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि कप्तानी पर फैसला सीरीज से ठीक पहले किया जाएगा।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कई खिलाड़ी कप्तानी करने की क्षमता रखते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें कप्तानी का कुछ अनुभव भी है।

बुधनी उप निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान के लिए आयोजित की जा रही अनेक स्वीप गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन के तहत बुधनी विधानसभा क्षेत्र में शत-प्रतिशत मतदान के लिए अनेक स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

स्वीप गतिविधियों के तहत भैरुंदा नगर परिषद द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में फ्लेक्स के माध्यम से विधानसभा उप निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसी प्रकार बुधनी के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा ग्राम गेंहूखेडा में मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई। भैरूंदा में मतदाता जागरूकता रैली आयोजित की गई तथा रंगोली बनाई गई। इसी प्रकार बुधनी विधानसभा क्षेत्र में अनेक स्थानों पर अनेक स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जिला स्तरीय गुण नियंत्रण उड़न दस्ता दल गठित

सीहोर (निप्र)। रबी वर्ष 2024-25 में उर्वरक, कीटनाशक औषधि एवं बीज गुण नियंत्रण के लिए कृषि आदान सामग्री बेचने वाले निजी एवं सहकारी क्षेत्र के विक्रय केन्द्रो, बीज उत्पादक सहकारी समितियों एवं बीज कंपनी का आकस्मिक निरीक्षण करने एवं नमूने लेने के लिए जिला स्तरीय गुण नियंत्रण उड़न दस्ता दल का गठन किया किया गया है। दल के अधिकारियों को जिले से संबंधित विकासखंड में सहकारी एवं निजी आदान विक्रेताओं के विक्रय परिसरों का निरीक्षण कर नमूने लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। कृषि विभाग के उप संचालक ने जानकारी दी कि सहायक संचालक कृषि अनिल कुमार जाट को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

सीएम राइस मनुबेन विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

सीहोर (निप्र)। शासकीय सीएम राइस विद्यालय मनु बेन मंडी में दीपक सजाओ , ग्रीटिंग कार्ड बनाओ व रंगोली बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्यों, श्रीमती रेखा रानी सिंह माध्यमिक विभाग प्रधान अध्यापक, श्रीमती रेखा चौहान, उप प्राचार्य प्रकाश सगवालिया एवं प्राचार्य दीप सिंह राठौड़ द्वारा सभी छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया व प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने की घोषणा की गई

अवैध मदिरा के विरुद्ध की गई कार्रवाई

सीहोर(निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार जिला आबकारी विभाग द्वारा बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए मद्य निगरानी दल गठित किया गया है। दल द्वारा अवैध मदिरा के अधिपत्य, परिवहन एवं बिक्री पर नियंत्रण के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है जिला आबकारी अधिकारी दीप सिंह राठौर ने बताया कि बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन आचार संहिता के दौरान अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2024 तक मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 40 प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में 04 लाख 06 हजार 10 रूपये अनुमानित बाजार मूल्य लागत की लगभग 211 लीटर देशी/विदेशी/ हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं 3580 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। यह कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी एनपी सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती संगीता नायक, आबकारी आरक्षक वैभव नागवंशी एवं आकाश कोरी द्वारा की गई।

सामान्य प्रेक्षक ने जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम एवं एमसीएमसी सेल का किया निरीक्षण

पैड न्यूज तथा फैक न्यूज की सतत मॉनिटरिंग की जाए - सामान्य प्रेक्षक श्री चौहान

सीहोर(निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक बीपी चौहान (आईएएस) ने बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के तहत कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए मीडिया मॉनिटरिंग एवं सर्टिफिकेशन सेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेल में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार से संबंधित विज्ञापनों, पेड न्यूज, फेक न्यूज और आचार संहिता के उल्लंघन की सघन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैड न्यूज, फेक न्यूज और आचार संहिता के उल्लंघन की कोई सूचना या समाचार प्रकाशित व प्रसारित होने पर तत्काल संज्ञान में लाए, ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सकें।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह ने निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक बीपी चौहान को विस्तार से जानकारी दी। सामान्य प्रेक्षक बीपी चौहान ने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने सी-विजिल, एनजीआरएस पोर्टल सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों तथा उन पर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कन्ट्रोल रूम में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को पूरी सजगता एवं गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन गतिविधियों की सामान्य प्रेक्षक ने की समीक्षा

सामान्य प्रेक्षक बीपी चौहान ने कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित कर बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन की अब तक की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एसएसटी चेक पोस्ट पर लगातार सघन चेकिंग की जाए। इसके साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक तथा सोशल मीडिया की सतत निगरानी रखी जाए।

शोधार्थी पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 18 नवंबर तक

सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (सभी वर्ग) के शोधार्थियों को पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इसके अनुसार सत्र 2024-25 के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य/पिछड़ा वर्ग / अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थी, पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर 2024 तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। शोधार्थियों को अपना आवेदन पत्र, संस्था/शोध केन्द्र से अग्रेषित कराकर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, तृतीय तल सतपुड़ा भवन, भोपाल में 18 नवंबर तक जमा करना/भेजना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाईट www.highereducation.mp.gov.in पर नवीन निर्देश के अंतर्गत उपलब्ध है, जो अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य/पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थियों को पीएच.डी. शोध छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के बावत शीर्षक पर अंकित है।

कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों ने खरीदे दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाए गए दीपक

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक के पूर्व कलेक्टर प्रवीण सिंह, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला पंचायत सीईओ नितिन टाले, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत सहित सभी विभागों के जिलाधिकारियों ने वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग बच्चों द्वारा सुसज्जित किए गए मिट्टी के दीपक खरीदे। इन बच्चों द्वारा दियों को विविध रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता को विभिन्न रंग-बिरंगी आकर्षक आकृति के रूप में व्यक्त किया है। जिला पंचायत सभाकक्ष में सभी अधिकारियों द्वारा 13 हजार रूपये के दीपक खरीदे गए। सभी दिव्यांग बच्चे कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को अपने बीच पाकर बेहद प्रसन्न नजर आए। कलेक्टर ने सभी बच्चों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते उनकी इस कलाकृति की सराहना की। बच्चों ने कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि संस्था के विद्यार्थियों को विशेष शिक्षण के साथ साथ योग, ध्यान, थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां भी कराई जाती है।

आज से 03 नवंबर तक सीहोर गल्ला मंडी में अवकाश रहेगा

सीहोर(निप्र)। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सीहोर की कृषि उपज मंडी में 29 अक्टूबर 2024 से 03 नवंबर 2024 तक अनाज नीलामी एवं लहसुन-प्याज नीलामी अवकाश रहेगा। सभी किसानों को सूचित किया गया है, कि वे अपनी उपज एवं लहसुन-प्याज इन दिवसों में विक्रय करने के लिए न लाएं।

बारह खंभा मेला की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने ली बैठक

मंदिर परिसर तथा मेला स्थल का कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। इछावर के ग्राम देवपुरा में आगामी 02 नवंबर को आयोजित होने वाले बारह खंबा मेला क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इस मेले में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इस मेले में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रवीण सिंह एवं एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने मेले की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मेले के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री शुक्ला ने मंदिर परिसर तथा बारह खंभा मेला स्थल का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मेले में लगने वाले झूलों की मजबूती की जांच पहले ही कर ली जाए ताकि मेले के दौरान किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने मेला क्षेत्र में यातायात प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाएं और आवासीय सुविधाओं की सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

साथ ही, उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में एसडीएम जमील खान, इछावर तहसीलदार श्रीमती ऋतु भार्गव, इछावर जनपद सीईओ श्रीमती शिवानी मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

त्यौहारों पर रहें मुस्तैद, सुदृढ़ रखें कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था - कलेक्टर, एसपी

सीहोर(निप्र)। आगामी दीपावली सहित अन्य त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके दृष्टिगत कलेक्टर प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। एसपी दीपक कुमार शुक्ला, एएसपी गीतेश गर्ग तथा अनुभागों के राजस्व, पुलिस एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री शुक्ला ने त्यौहारों के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए गंभीरता से अपने क्षेत्रों की सतत् निगरानी करते रहें। सभी एसडीएम तथा एसडीओपी पुलिस समन्वय कर व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखें। सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थलों पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए।

दीपावली पर सभी के मन में वोकल फॉर लोकल का भाव रहना चाहिए-विधायक सुदेश राय

शहर के बाजार में पहुंचकर विधायक सुदेश राय ने स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित किया

सीहोर(निप्र)। शहर के बाजार में पहुंचकर विधायक सुदेश राय ने स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित किया। विधायक श्री राय ने नगर के बाजार में पहुंचकर स्थानीय व्यापारियों द्वारा बनाए गए दीप, कलर्स तथा उत्पादों को खरीदी की और स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित किया एवं दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। मां लक्ष्मी से यही प्रार्थना है कि वह आप सभी के जीवन को सुख-समृद्धि और खुशियों से भर दें। शहरवासियों को दीपों के पर्व दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करने की अपील की है। सभी के जीवन में श्री महालक्ष्मी जी की कृपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि दीपावली पर सभी के मन में वोकल फॉर लोकल का भाव रहना चाहिए। हमारे प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सभी को वोकल फॉर लोकल के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि दीया-बाती बनाने वालों, साफ-सफाई व श्रृंगार की सामग्री बनाने वालों और ऐसी ही गतिविधियों में स्थानीय स्तर पर लगे व्यक्तियों और उनके परिवारों से मिलकर, दीपावली पर्व के उत्साह और उल्लास का प्रकटीकरण होता है।

भैरुंदा क्षेत्र में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी राजकुमार पटेल का तूफानी दौरा

बुधनी सीट पर कांग्रेस को जागी जीत की उम्मीद, आखिर क्या कहता है यहां का गणित

बुधनी(संजय कलमोर)। नसरुल्लागंजबुधनी सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कई बार कांटेकी टक्कर रही है. बुधनी विधानसभा सीट पर पहला चुनाव 1957 में हुआ था, जिसे कांग्रेस के राजकुमारी सुराजकाला ने जीता था. इसके बाद से इस सीट पर 17 बार चुनाव हुए हैं. इनमें से 5 बार ही कांग्रेस जीत दर्ज कर सकी. जबकि 11 बार बीजेपी और 1 बार 1962 मेंनिर्दलीय उम्मीदवार ने चुनाव जीता था. बुधनी विधानसभासीट पर 1998 के बाद से कांग्रेस कभी वापसी नहीं कर पाई. 1998 में कांग्रेस के देव कुमार पटेल ने आखिरी चुनाव जीता था.2006 के विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजकुमार पटेल को हराकर विधायक का पहला चुनाव जीता था. 2008 के चुनाव में कांग्रेस के महेश सिंह राजपूत बीजेपी के शिवराज सिंह चौहान से भारी अंतर से चुनाव हारे थे. 2013 के चुनाव में कांग्रेस नेता महेन्द्र सिंह चौहान भी 84 हजार से ज्यादा मतों से बीजेपी के शिवराज सिंह से चुनाव हार गए थे. 2018 के चुनाव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव को कांग्रेस ने इस सीट से उतारा था, लेकिन वे भी 31 फीसदी से जयादा वोट हासिल नहीं कर पाए थे और चुनाव हार गए थे।

दीप पर्व नजदीक, मिठाइयों की मांग बढ़ी, मिलावट रोकने सख्त कदम उठाए प्रशासन

मिलावटी मावे की मिठाइयों और घटिया तेल से नमकीन बनाने वाले व्यापारियों पर हो सख्त कार्रवाई

सीहोर(निप्र)। दीपों का जगमग पर्व दीपावली अब नजदीक है और यही वजह है कि संपूर्ण सीहोर जिले में अब धीरे-धीरे मावे से बनी मिठाइयों की मांग बढ़ती जा रही है लेकिन ऐसे में मिलावट युक्त मिठाई बिकने की संभावना भी बढ़ रही है क्योंकि जिले में खाद एवं औषधि विभाग तथा जिला खाद्य विभाग सीहोर जिले में बाहर के जिलों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मावे और उसे निर्मित मिठाइयों की बिक्री की न तो जांच कर रहा है ना ही मिलावटखोरो पर कोई कार्रवाई कर रहा है ऐसे जनहितेषी मुद्दे को लेकर कांग्रेस के पूर्व जिला प्रवक्ता एवं महासचिव पंकज शर्मा ने कहा है कि जिला प्रशासन मिलावट रोकने के लिए सख्त कदम उठाए अन्यथा जनहित में उन्हें आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा और दूषित मिठाई से यदि किसी का स्वास्थ्य खराब होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी खाद्य विभाग की रहेगी। जानकारी के अनुसार हर साल की तरह इस बार भी दीपावली पर्व से पहले ही जिले में मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही दूषित और मिलावटी मिठाई बिकने का दौर शुरू हो गया है। देखा जा सकता है कि चाहे सीहोर नगर हो या ग्रामीण क्षेत्र में लगने वाले हाट बाजार हों, हर जगह मिठाइयों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और उन मिठाइयों की जांच करना खाद्य विभाग उचित नहीं समझ रहा है। ऐसी संभावना इसलिए दिख रही है क्योंकि बाजार में मावे का जो मूल्य चल रहा है, अनेक स्थानों पर मावे के दाम से भी कम दर पर मावे की मिठाइयां बिक रही है, मावे के मूल्य से भी कम दर पर मावे की मिठाइयां मिलना सीधे-सीधे संदेह को जन्म दे रहा है।

पंकज शर्मा ने कहा है कि प्रशासन को अपने खाद्य विभाग को स्पष्ट आदेश देना चाहिए कि मिलावटखोरी पर सख्त कार्रवाई हो और जिन दुकानों से अभी महज रस्म अदायगी के तौर पर नमूने लिए जा रहे हैं, उसकी जांच रिपोर्ट दीपावली से पहले आकर यदि अमानक मिठाई पाई जाती है तो कार्रवाई करना चाहिए क्योंकि यदि जांच रिपोर्ट दीपावली के बाद आएगी तो उसका कोई महत्व ही नहीं रह जाएगा क्योंकि तब तक तो ये मिलावटी मिठाई बिक चुकी होगी।

मतदाता शिक्षा और जागरुकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 मिलेगा

सीहोर (निप्र)। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।भारत निर्वाचन आयोग, द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे।

प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता सम्पन्न

सीहोर (निप्र)। स्थानीय चंद्रशेखर आजाद अग्रणी महाविद्यालय के सभागृह में भारत विकास परिषद सीहोर के तत्वाधान में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल इंदौर की शाखा ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान दिल्ली पब्लिक स्कूल तिलक शाखा इंदौर ने प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान तीरथ भाई कालाचंद स्कूल अहिल्या शाखा इंदौर का रहा। अब प्रथम स्थान विजेता शाखा न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल रीजनल प्रतियोगिता में सम्मिलित होगी। कार्यक्रम में अर्न्तराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित रहे। जिन्होने सभी प्रतिभागियों को हार जीत से ऊपर उठकर अपना प्रदर्शन करने एवं स्थान प्राप्त न होने पर निराश न होने की सीख दी और मिलजुल कर देश को आगे ले जाने की प्रेरणा भी दी। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने अपने उद्बोधन में इस तरह के कार्यक्रमों की अनिवार्यता पर बल दिया। साथ ही साथ प्रत्येक कार्यक्रम में हर यथासंभव सहयोग देने का वचन भी दिया। प्रांत अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने अंत में पुरस्कार वितरण किया। साथ ही रीजनल पर्यवेक्षक मनीष बिसानी ने अपने उद्बोधन सभी छात्राओं-छात्राओं को जीत की शुभकामनाएं दी एवं आने वाले कार्यक्रम में बढ़-चढकर सम्मिलित होने की प्रेरणा भी दी। निर्णायक मण्डल में श्रीमती रचना शर्मा एवं सौरभ ठाकुर रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद शाखा सीहोर के सचिव आर्य रितेश राठौर ने किया एवं आभार श्रीमती संगीता सोनी ने व्यक्त किया। प्रांत शाखा के वित्त सचिव दीपक मिश्रा, कमल, प्रेमचंद, सीहोर शाखा के अध्यक्ष पंकज मोदी सचिव आर्य रितेश राठौर, कोषाध्यक्ष महेंद्र कौशल, सुधीर कौशल, कार्यक्रम संयोजक रवि ठकराल, संस्कार प्रमुख संगीता सोनी एवं शाखा उपाध्यक्ष शोभा चांडक एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com